प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

वर्ष-4 अंक-257 (सांध्य दैनिक) मथुरा/आगरा संभाग, बुधवार, 11 नवंबर 2026 (पेज-12) 5 रुपया

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त



आस्था का स्नान: बुधवार को भाई दौज पर बहन और भाइयों ने आस्था के भाव में यमुना में स्नान किया। इस दौरान विश्राम घाट पर श्रद्धा का सैलाब बना रहा।

यमफांस से मुक्ति की कामना, भाई-बहनों ने यमुना में लगाई आस्था की डुबकी

घाटों पर उमड़ा भाई-बहन के प्रेम का सैलाब



विश्राम घाट पर भाई का हाथ पकड़कर स्नान करतीं बहन।



भाई दौज पर यमुना में बहन को छलनी से स्नान कराते भाई।



विश्राम घाट पर भाई को स्नान करातीं बहनें।

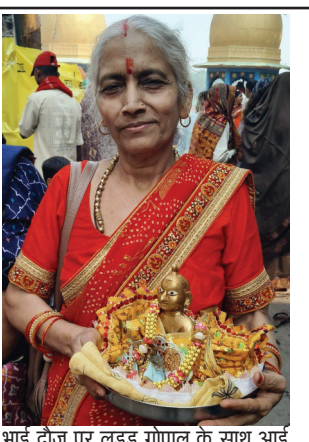
भाई की दीर्घायु के लिए बहनों ने थामा हाथ

यमुना के घाटों पर दिखा प्रेम और आस्था का अनूठा संगम

यूनिक समय, मथुरा। भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और समर्पण का पर्व यम द्वितीया बुधवार को कान्हा की नगरी में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। यमुना के घाटों पर उमड़ी भीड़ में रिश्तों की मिठास और आस्था का अद्भुत भाव देखने को मिला। बहनों ने अपने भाइयों का हाथ थामकर यमुना मैया में डुबकी लगाई और उनके दीर्घायु, सुखी और समृद्ध जीवन की कामना की।



भाई दौज पर यमुना स्नान के लिए जाते श्रद्धालु।



भाई दौज पर लड्डू गोपाल के साथ आई महिला।

धार्मिक मान्यता है कि यम द्वितीया पर भाई-बहन के एक साथ यमुना स्नान करने से भाई को यमफांस के भय से मुक्ति मिलती है। इसी अटूट विश्वास को हृदय में संजोए देश के अलग-अलग प्रांतों से बहनें अपने भाइयों के साथ मथुरा पहुंचीं।

सुबह से ही विश्राम घाट सहित अन्य घाटों पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। यमुना की लहरों के बीच बहनों की प्रार्थनाओं और भाइयों के प्रति स्नेह ने इस पर्व को भावनाओं से सराबोर कर दिया। सचमुच, यह परंपरा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भाई-बहन के रिश्ते की अटूट डोर का जीवंत प्रतीक बन गई।



स्नान के बाद यमुना मैया की आरती करते बहन- भाई।



यमुना स्नान के बाद भाई का तिलक करती बहन।

यमुना स्नान के बाद धर्मराज मंदिर में लिया आशीर्वाद

भाई की सलामती के लिए बहनों ने की पूजा-अर्चना धर्मराज के दरबार में लगाई हाजिरी

यूनिक समय, मथुरा। भैया दूज पर यमुना स्नान की परंपरा निभाने के बाद बहनों ने भाइयों के साथ धर्मराज मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और उनकी लंबी उम्र की कामना की। यम द्वितीया पर विश्राम घाट सहित आसपास के घाटों पर स्नान के लिए सुबह से श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, भैया दूज पर भाई-बहन के एक साथ यमुना स्नान करने से भाई को यमपाश के भय से मुक्ति मिलती है। इसी आस्था के चलते बहनें भाइयों का हाथ थामकर यमुना में स्नान करने पहुंचीं। इसके बाद भाई-बहन एक साथ धर्मराज मंदिर पहुंचे और यमुना मैया तथा धर्मराज के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर में दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। कई बहनें पूजा की थाली लेकर भाइयों के साथ मंदिर पहुंचीं। उन्होंने विधि-विधान से पूजा कर धर्मराज से भाइयों की रक्षा, दीर्घायु और जीवन में सुख-समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की। यमुना स्नान से लेकर धर्मराज के दर्शन तक भाई-बहनों की आस्था और प्रेम का अनूठा संगम देखने को मिला।



विश्राम घाट स्थित धर्मराज- यमुना मंदिर में पूजा करते श्रद्धालु।

यमुना के दूषित पानी पर भारी पड़ी बहनों की आस्था



बुधवार को यमुना किनारे आस्था उमड़ी तो मिनी कुंभ का दृश्य बनता रहा। सुरक्षा को हरी बाड़ भी लगाई गई। भाई दौज पर यमुना में स्नान करते श्रद्धालु।

भैया दूज पर देश भर से उमड़े श्रद्धालु, किसी ने छलनी तो किसी ने हाथ पकड़कर कराया स्नान लड्डू गोपाल को भी लगवाई यमुना में डुबकी



यमुना स्नान के बाद लड्डू गोपाल को दिखातीं महिलाएं।

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी में सदियों पुरानी परंपरा और भाई-बहन के अटूट प्रेम का अनूठा नजारा भैया दूज पर यमुना के घाटों पर दिखाई दिया। देश के अलग-अलग प्रांतों से पहुंचीं बहनों ने भाइयों का हाथ थामकर यमुना मैया में आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान बहनों की श्रद्धा के आगे यमुना के प्रदूषित जल की चिंता भी बौनी नजर आई। जिस पानी में उतरने से लोग हिचकिचाते हैं, उसी में बहनें भाइयों की दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना लेकर स्नान करती नजर आईं।

विश्राम घाट सहित आसपास के घाटों पर आस्था के अलग-अलग रंग दिखाई दिए। कोई बहन छलनी से भाई को यमुना स्नान कराती नजर आई तो कोई उसका हाथ थामकर डुबकी लगवा रही थी। कुछ बहनें छोटे बच्चों को गोद में लेकर स्नान करा रही थीं। श्रद्धा का आलम यह था कि कई श्रद्धालुओं ने अपने लड्डू गोपाल को भी हाथों में लेकर यमुना मैया में स्नान कराया। सुबह से ही घाटों पर भाई-बहनों की भीड़ उमड़ती रही।

भाई दौज पर बांकेबिहारी मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब



बुधवार को बांकेबिहारी दर्शन को उमड़े श्रद्धालु।

मंदिर की ओर जाने वाली गलियों तक लगीं श्रद्धालुओं की कतारें भीड़ संभालने में पुलिस-प्रशासन के छूटे पसीने

यूनिक समय, वृंदावन। भाई दौज पर ठा. बांकेबिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। आराध्य के दर्शन की चाह में सुबह से ही भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया। देखते ही देखते मंदिर की ओर जाने वाले प्रमुख मार्गों से लेकर संकरी गलियों तक श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। दिवाली के चौथे दिन भी भक्तों का उत्साह चरम पर रहा। कार्तिक मास और लगातार त्योहारों के अवकाश ने वृंदावन में श्रद्धालुओं की भीड़ और बढ़ा दी।

भीड़ का दबाव इतना अधिक रहा कि पुलिस और प्रशासन को व्यवस्था संभालने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। मंदिर के आसपास के प्रमुख चौक और गलियों में जगह-जगह पुलिसकर्मी तैनात रहे। श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रस्सियों और सुरक्षा घेरों के जरिए उन्हें रोक-रोककर चरणबद्ध तरीके से मंदिर की ओर भेजा गया। वहीं होल्डिंग एरिया में भी भक्तों को कुछ समय रोककर भीड़ का दबाव कम करने का प्रयास किया गया।

मंदिर के सेवायत हिमांशु गोस्वामी ने बताया कि कार्तिक मास का विशेष धार्मिक महत्व है। इसके साथ ही लगातार त्योहारों के अवकाश के कारण श्रद्धालुओं की संख्या में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने संभावना जताई कि पूरे कार्तिक मास में मंदिर में इसी तरह भारी भीड़ बनी रह सकती है। श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन कराने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतजाम जरूरी हैं। मंदिर प्रबंधन और प्रशासन भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था पर लगातार नजर बनाए हुए हैं, ताकि दूर-दराज से आने वाले भक्तों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का साक्षी बना यमुना तट



भाई के माथे पर दिल का चिन्ह बनाती बहनें।

रात से ही घाटों पर पहुंचने लगे भाई-बहन विश्राम घाट से पल्लीपार तक प्रशासन ने संभाली व्यवस्था

यूनिक समय, मथुरा। भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और सदियों पुरानी धार्मिक परंपरा का साक्षी बुधवार को यमुना तट बना। यम द्वितीया पर आस्था का ऐसा सैलाब उमड़ा कि मंगलवार रात से ही यमुना के घाटों पर भाई-बहनों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। बहनों ने भाइयों का हाथ थामकर यमुना में आस्था की डुबकी लगाई और उनकी दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना की। सुबह होते-होते यमुना के घाट भाई-बहन के पवित्र रिश्ते और श्रद्धा के रंग में रंग गए।

कान्हा की नगरी की धार्मिक पहचान से जुड़े इस पर्व को लेकर शासन-प्रशासन और नगर निगम कई दिनों से तैयारियों में जुटे थे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारियों और नगर निगम की टीमों ने रात से ही मोर्चा संभाल लिया। विश्राम घाट से लेकर यमुना के पल्लीपार क्षेत्र तक व्यवस्थाएं दुरुस्त की गईं। घाटों पर सफाई, प्रकाश और सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए, ताकि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को स्नान के दौरान परेशानी न हो।

धार्मिक मान्यता है कि यम द्वितीया पर भाई-बहन के एक साथ यमुना स्नान करने से भाई को यमराज के भय से मुक्ति मिलती है।

इसी आस्था के चलते मंगलवार रात से ही घाटों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। सुरक्षा के लिहाज से यमुना में बल्लियां लगाकर स्नान के लिए सुरक्षित क्षेत्र निर्धारित किया गया। गहरे पानी की ओर जाने से रोकने के लिए हरे रंग के संकेतक लगाए गए। वहीं, लाउडस्पीकर के माध्यम से लगातार श्रद्धालुओं को निर्धारित सीमा में रहकर स्नान करने और सावधानी बरतने की अपील की जाती रही।

पर्व के दौरान प्रशासन और नगर निगम की टीमें सफाई से लेकर सुरक्षा तक की व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रहीं। यमुना के दोनों ओर श्रद्धालुओं की चहल-पहल और भाई-बहनों की आस्था ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया।



संकल्प निभाने आईं बहनें



मेरठ से आईं अनुराधा राजपूत अपने भाई के साथ एक दिन पहले ही मथुरा पहुंच गई थीं। उन्होंने बताया कि कई वर्षों से सुनती आ रही थीं कि भैया दूज पर कान्हा की नगरी में भाई-बहन एक साथ यमुना स्नान करते हैं। इस बार उन्होंने भी इस परंपरा को निभाने का संकल्प पूरा किया।



मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर से आईं रोशनी ने बताया कि भाई के साथ यमुना स्नान कर उसके जीवन के कष्ट दूर होने और सुख-समृद्धि आने की कामना की है।



उज्जैन से आईं आरती सोनी ने बताया कि वह एक दिन पहले ही भाई के साथ मथुरा आ गई थीं। भाई-बहन का रिश्ता बेहद खास है और इस परंपरा को निभाने का अवसर बार-बार नहीं मिलता।



उज्जैन की वर्षा सोनी ने भाई का हाथ पकड़कर यमुना में स्नान किया और उसे यमपाश से मुक्ति मिलने की कामना की।



वहीं झानवी सोनी ने भी भाई के साथ यमुना में डुबकी लगाकर उसके सुखी और दीर्घायु जीवन की प्रार्थना की। श्रद्धालुओं की संख्या उम्मीद से कहीं अधिक रही।



ज्योति ने कहा कि यह पर्व केवल परंपरा नहीं, बल्कि भाई-बहन के प्रेम और आस्था का प्रतीक है।



भारती ने कहा कि काफी समय से उनकी इच्छा थी कि भैया दूज पर भाई को यमुना स्नान कराकर उसकी दीर्घायु की प्रार्थना करें।



मध्य प्रदेश से आईं नैंसी राजपूत पहली बार इस परंपरा को निभाने विश्रामघाट पहुंचीं। उन्होंने कहा कि भाई की लंबी उम्र की कामना लेकर यमुना मैया की शरण में आई हैं।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा में मुस्तैद रहे वालंटियर्स

यूनिक समय, मथुरा। यम द्वितीया पर्व पर यमुना के घाटों पर उमड़े लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सेवा में नेशनल डिजास्टर एंड फायर सेफ्टी फाउंडेशन के वालंटियर्स मुस्तैद रहे। फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक यादव के नेतृत्व में टीम ने विश्राम घाट और गोकुल के स्वामी घाट पर श्रद्धालुओं की सहायता के साथ सुरक्षा व्यवस्था संभाली। घाटों पर भारी भीड़ को देखते हुए स्वयंसेवक प्राथमिक चिकित्सा किट और आवश्यक सुरक्षा उपकरणों के साथ तैनात रहे। उन्होंने बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित तरीके से यमुना स्नान कराने में सहयोग किया। किसी श्रद्धालु की तबीयत बिगड़ने या चोट लगने की स्थिति में तत्काल प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया। राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक यादव और उनकी टीम ने पूरे पर्व के दौरान सक्रिय रहकर सेवा कार्य किया।



होली गेट पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने लगाया स्वास्थ्य शिविर।

दीपावली को मात दे गई गोवर्धन पूजा की आतिशबाजी



आसमान में आतिशबाजी का दृश्य और धुएं से बने बादल।

20 करोड़ की आतिशबाजी से आसमान हुआ रोशन

यूनिक समय, मथुरा। करवा चौथ, दीपावली और गोवर्धन पूजा पर आतिशबाजी का जबरदस्त नजारा देखने को मिला। इन तीन पर्व पर अनुमानित 20 करोड़ रुपये की आतिशबाजी से आसमान रंग-बिरंगी रोशनी से जगमग होता रहा। देर रात तक पटाखों की गूंज सुनाई देती रही। लोगों ने अनार, रॉकेट, फुलझड़ी और रंगीन पटाखे चलाकर पर्व का उल्लास मनाया। हालांकि पटाखों से निकले धुएं के कारण वातावरण में धुंध छा गई और एक्यूआइ 600 पार भी जाता रहा।

रंग-बिरंगी रोशनी से सतरंगी हुआ आसमान, देर रात तक गूंजते रहे पटाखे

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पूजा पर बुधवार रात आतिशबाजी का ऐसा नजारा देखने को मिला कि दीपावली की रौनक भी फीकी नजर आई। आसमान में रंग-बिरंगी रोशनी और आतिशबाजी की गूंज ने पर्व के उल्लास को दोगुना कर दिया। शाम ढलते ही शुरू हुआ पटाखों का सिलसिला देर रात तक जारी रहा। आसमान में उठती रंगीन रोशनी ने चारों ओर उत्सव का माहौल बना दिया।

गोवर्धन पूजा पर घरों और प्रतिष्ठानों में अन्नकूट और गिरिराज महाराज की पूजा-अर्चना के बाद लोगों ने आतिशबाजी की। बच्चों से लेकर बड़ों तक में पटाखे चलाने का उत्साह दिखाई दिया।

आसमान में कहीं रंगीन फुलझड़ियां चमकती नजर आईं तो कहीं तेज धमाकों के साथ अनार और रॉकेट ने रोशनी बिखेरी। आतिशबाजी के नजारे देखने के लिए लोग घरों की छतों और खुले स्थानों पर जमा रहे।

रंग-बिरंगी आतिशबाजी से आसमान कुछ देर के लिए सतरंगी हो उठा। हालांकि पटाखों के धुएं ने वातावरण में धुंध और अंधेरा भी बढ़ा दिया। देर रात तक चलती आतिशबाजी के चलते कई इलाकों में धुएं की चादर छाई रही। दीपावली के बाद गोवर्धन पूजा पर भी लोगों का आतिशबाजी के प्रति उत्साह कम नहीं हुआ। कई स्थानों पर तो आतिशबाजी का नजारा दीपावली से भी ज्यादा भव्य दिखाई दिया। पर्व की खुशियों के बीच रोशनी और धमाकों ने रात को यादगार बना दिया।



मथुरा जंक्शन के तृतीय प्रवेश द्वार पर दोगुनी होगी वाहन पार्किंग



पार्किंग का दायरा बढ़ाए जाने के प्रस्ताव को डीआरएम ने दी मंजूरी

एक हजार वर्ग मीटर किया जाएगा पार्किंग क्षेत्र

अब तक 515 वर्ग मीटर क्षेत्र में खड़े होते हैं वाहन

यूनिक समय, मथुरा। जंक्शन रेलवे स्टेशन के तृतीय प्रवेश द्वार पर वाहन पार्किंग की सुविधा का विस्तार किया जाएगा। इसके तहत पार्किंग स्थल का क्षेत्रफल लगभग दोगुना कर दिया जाएगा। वर्तमान में यहां 515 वर्ग मीटर क्षेत्र में वाहनों को खड़ा करने की व्यवस्था है, जिसे बढ़ाकर एक हजार वर्ग मीटर किया जाएगा। पार्किंग स्थल के विस्तार संबंधी प्रस्ताव को डीआरएम ने मंजूरी दे दी है। शीघ्र ही पार्किंग स्थल को बढ़ा करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

पार्किंग स्थल का विस्तार होने से रेलवे स्टेशन आने वाले यात्रियों को अपने दोपहिया और चार पहिया वाहनों को खड़ा करने के लिए अधिक जगह मिल सकेगी। खासकर नियमित रूप से ट्रेन से यात्रा करने वाले यात्रियों को इसका सीधा लाभ होगा। अभी सीमित स्थान होने के कारण कई बार पार्किंग में वाहन खड़ा करने को लेकर परेशानी का सामना करना पड़ता है। पार्किंग की जगह कम होने से व्यस्त समय में यात्रियों को वाहन खड़ा करने के लिए अतिरिक्त मशक्कत करनी पड़ती है।

रेलवे प्रशासन की ओर से तृतीय प्रवेश द्वार पर पार्किंग क्षेत्र बढ़ाने की योजना बनाई गई है। इसके तहत मौजूदा 515 वर्ग मीटर पार्किंग स्थल को बढ़ाकर एक हजार वर्ग मीटर किया जाएगा। इससे पार्किंग की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और अधिक संख्या में वाहन एक साथ खड़े किए जा सकेंगे।

तृतीय प्रवेश द्वार से आवागमन करने वाले यात्रियों के लिए यह सुविधा काफी उपयोगी साबित होगी। पार्किंग का विस्तार होने के बाद स्टेशन परिसर में वाहनों को व्यवस्थित तरीके से खड़ा करने में भी मदद मिलेगी।

स्टेशन निदेशक सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि तृतीय प्रवेशद्वार की वाहन पार्किंग का दायरा बढ़ाया जाएगा। इससे पार्किंग में वाहन खड़ा करने वालों को आसानी होगी। वाहन पार्किंग का दायरा बढ़ाए जाने के प्रस्ताव को डीआरएम ने मंजूरी दे दी है।

फर्जी ईडी अधिकारी का पिता भी गिरफ्तार

पुलिस अधिकारी बनकर लोगों पर झाड़ता था रौब कार से फर्जी आईडी और पी कैप बरामद



फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर धोखाधड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार सुरेशचंद पुलिस गिरफ्त में।

यूनिक समय, मथुरा। फर्जी ईडी अधिकारी बनकर धोखाधड़ी करने के मामले में जेल भेजे गए आरोपी के पिता को भी रिफाइनरी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि वह खुद को पुलिस अधिकारी बताकर लोगों पर रौब झाड़ता था और पुलिस की वर्दी पहनकर धोखाधड़ी करता था। पुलिस ने उसकी कार से उत्तर प्रदेश पुलिस की दो फर्जी आईडी और खाकी रंग की पी कैप समेत अन्य सामान बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, फरह के धीमरपाड़ा निवासी सचिन पुत्र सुरेशचंद को फर्जी ईडी असिस्टेंट डायरेक्टर बनकर धोखाधड़ी करने के आरोप में पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। अब पुलिस ने उसके पिता सुरेशचंद को भी गिरफ्तार किया है।

रिफाइनरी पुलिस ने सुरेशचंद को हाईवे-19 पर बमुरी कट रजवाह के समीप अर्टिगा कार से जाते समय पकड़ा।

तलाशी के दौरान कार से उत्तर प्रदेश पुलिस की दो फर्जी आईडी, खाकी रंग की पी कैप, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, फोटो पहचान पत्र और मोबाइल फोन बरामद हुआ। पुलिस का आरोप है कि सुरेशचंद पुलिस की वर्दी पहनकर लोगों को धमकाने और धोखाधड़ी करने में शामिल था। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

264 ग्राम गांजे के साथ आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। रिफाइनरी पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 264 ग्राम गांजा बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी शश उर्फ गंगाराम निवासी किशोर कुंज, रांची बांगर, थाना रिफाइनरी को कदंब बिहार कॉलोनी के समीप से गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 264 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

चालक की लापरवाही से पलटा सवारियों से भरा टेंपो

हादसे में महिला समेत कई घायल

यूनिक समय, मथुरा। थाना सदर बाजार क्षेत्र के औरंगाबाद स्थित गोकुल बैराज मोड़ के समीप बुधवार सुबह सवारियों से भरा टेंपो अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में एक महिला समेत कई सवारियां घायल हो गईं। महिला की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह करीब दस बजे टेंपो औरंगाबाद से सवारियां लेकर शहर की ओर आ रहा था।

गोकुल बैराज मोड़ के समीप चालक ने अचानक लापरवाही से टेंपो मोड़ दिया। इससे टेंपो अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया और उसमें बैठी सवारियां नीचे दब गईं। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के दुकानदार और राहगीर तत्काल मदद के लिए दौड़े। लोगों ने मशक्कत कर टेंपो को सीधा किया और उसके नीचे दबी सवारियों को बाहर निकाला। गंभीर घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं अन्य घायलों को भी चोटें आई हैं।

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए

यूनिक समय

www.uniquesamay.com





बुधवार को मथुरा जंक्शन पर ट्रेन पकड़ने के लिए पुल से जाते यात्री।



ट्रेन की भरी बोगी में सीट के लिए चिल्ल- पौं करते महिला और बुजुर्ग।

भाई दौज पर जंक्शन पर उमड़ी यात्रियों की भीड़

रेलवे ने किए पुख्ता इंतजाम, कासगंज की ओर जाने वाली ट्रेनों में रही सबसे अधिक भीड़



घर जाने के लिए मथुरा जंक्शन पर ट्रेन का इंतजार करते यात्री।

यूनिक समय, मथुरा। भाई दूज के पर्व पर घर पहुंचने और त्योहार मनाने के लिए यात्रियों की आवाजाही बढ़ने से मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर भीड़ नजर आई। सुबह से ही स्टेशन के प्लेटफार्मों पर यात्रियों की चहल–पहल बनी रही। सबसे अधिक भीड़ कासगंज की ओर जाने वाली ट्रेनों में देखने को मिली। ट्रेनों में सीट पाने के लिए यात्रियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। त्योहार पर यात्रियों की संख्या में संभावित इजाफे को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने भी पहले से ही व्यवस्थाएं दुरुस्त कर रखी थीं।

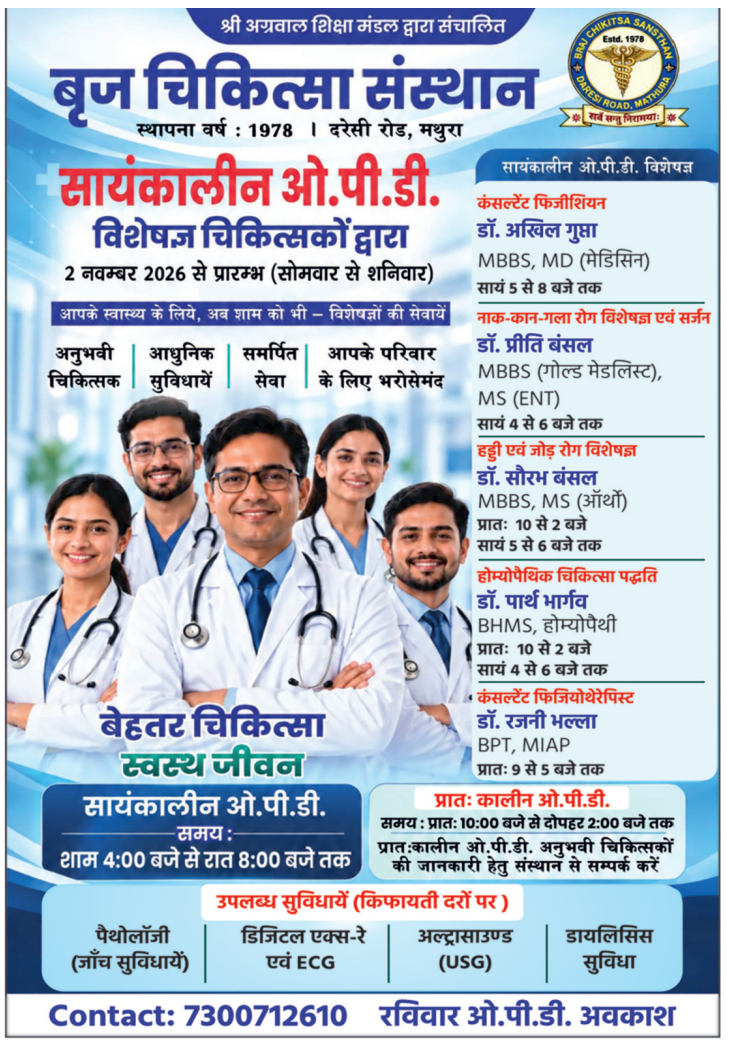
यात्रियों को टिकट लेने में परेशानी न हो, इसके लिए वाणिज्य विभाग की टीम आधा दर्जन टिकट वेंडिंग मशीनों के साथ प्लेटफार्म पर मौजूद रही। टीम यात्रियों को टिकट उपलब्ध कराने और उन्हें उचित जानकारी देने में जुटी रही। वहीं, रेलवे के डीसीएम आगरा ने भी मथुरा जंक्शन पर कैंप कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। त्योहार के दौरान यात्रियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर भी रेलवे प्रशासन सतर्क नजर आया। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए चिकित्सकों की टीम और एंबुलेंस को जंक्शन परिसर में तैनात रखा गया। इसके अलावा टिकट चेकिंग स्टाफ भी सक्रिय रहा और यात्रियों के टिकटों की जांच करता रहा। स्टेशन परिसर और प्लेटफार्मों पर भीड़ को नियंत्रित करने तथा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जीआरपी और आरपीएफ के जवान मुस्तैद रहे। जवान लगातार प्लेटफार्मों और प्रवेश–निकास द्वारों पर निगरानी करते दिखाई दिए। स्टेशन निदेशक सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि भाई दूज को लेकर पहले से ही सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त कर लिया गया था। यात्रियों की सुविधा के लिए मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन आवश्यकता के अनुसार किया गया। भीड़ नियंत्रण के लिए होल्डिंग ऐरिया बनाए गए थे। सुरक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में जीआरपी और आरपीएफ के जवानों की तैनाती की गई थी।

यमुना घाटों की व्यवस्थाएं परखने पहुंचे डीएम और एसएसपी



यमद्वितीया पर यमुना में स्टीमर में बैठकर घाटों का निरीक्षण करते डीएम सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार।

यूनिक समय, वृंदावन। यम द्वितीया पर यमुना स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। बुधवार को डीएम चन्द्रप्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने केसी घाट सहित प्रमुख यमुना घाटों का दौरा कर सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने घाटों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही, बैरिकेडिंग और सुरक्षा व्यवस्था को परखा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पर्व के दौरान घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहे और श्रद्धालुओं को स्नान करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। गौरतलब है कि यम द्वितीया पर यमुना स्नान का विशेष धार्मिक महत्व है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाई–बहन यमुना में स्नान करने के लिए मथुरा और वृंदावन पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के निर्देश दिए हैं।



यात्रियों की भीड़ के आगे रोडवेज बसें पड़ीं कम

आगरा, दिल्ली, नोएडा समेत प्रमुख रूटों पर चलाई गईं 60 अतिरिक्त बसें, जाम के चलते समय पर नहीं पहुंच सकीं बसें



बुधवार को नए बस स्टैंड पर बस की जानकारी लेते यात्री।

यूनिक समय, मथुरा। भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह के पर्व भाई दूज पर बहनों को अपने भाइयों तक पहुंचने के लिए रोडवेज बसों में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह तड़के से ही बहनों और अन्य यात्रियों का अपने गंतव्य तक जाने के लिए आवागमन शुरू हो गया। जैसे–जैसे दिन चढ़ता गया, बस अड्डे पर यात्रियों की भीड़ बढ़ती चली गई। यात्रियों की संख्या के आगे मथुरा डिपो की बसों की व्यवस्था कम पड़ गई। अतिरिक्त बसें चलाने के दावों के बावजूद यात्रियों को बसों के लिए इंतजार करना पड़ा। कई स्थानों पर जाम के कारण बसों के समय पर नहीं पहुंचने से परेशानी और बढ़ गई।

भाई दूज पर बहनें अपने भाइयों के घर पहुंचने के लिए सुबह से ही बस अड्डे पर पहुंचने लगी थीं। आगरा, दिल्ली, नोएडा, लखनऊ कानपुर और बरेली जाने वाले यात्रियों की संख्या अधिक रही। बसों में सीट पाने के लिए यात्रियों को काफी इंतजार करना पड़ा। बस अड्डे पर जैसे-जैसे भीड़ बढ़ी, वैसे-वैसे रोडवेज की व्यवस्थाएं कम पड़ती दिखाई दीं। त्योहार पर घर पहुंचने की जल्दी में यात्री बसों के इंतजार में परेशान होते रहे। रोडवेज विभाग की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए विभिन्न रूटों पर अतिरिक्त बसों का संचालन किया गया। मथुरा डिपो से आगरा के लिए 13, दिल्ली के लिए 10, नोएडा के लिए 15, लखनऊ के लिए 10, कानपुर के लिए दो और बरेली के लिए 10 अतिरिक्त बसें चलाई गईं। इस तरह प्रमुख मार्गों पर कुल 60 अतिरिक्त बसों का संचालन किया गया। इसके बावजूद यात्रियों की भीड़ के सामने बसें कम पड़ गईं।

एआरएम विवेक कुमार अहिरवार ने बताया कि भाई दौज पर यात्रियों की संख्या को देखते हुए अतिरिक्त बसें चलाई गई हैं। अलीगढ़, हाथरस सहित स्थानीय मार्गों पर भी बसों के फेरे बढ़ाए गए हैं, ताकि यात्रियों को आवागमन में परेशानी न हो। उन्होंने बताया कि कई स्थानों पर जाम लगने के कारण बसें समय पर वापस नहीं पहुंच सकीं। इसके चलते बसों के संचालन पर असर पड़ा और यात्रियों को इंतजार करना पड़ा। जाम की स्थिति के कारण बसों के फेरे समय से पूरे नहीं हो पाए।

दौज पर भाई करते रहे इंतजार जाम में फंसी बहनों की राह



दिल्ली से आगरा की ओर जाने वाले हाइवे पर लगे जाम में फंसे वाहन।



नवादा के समीप लगे जाम की वजह से हाइवे और सर्विस रोड पर फंसे वाहन।

हाइवे थाना चौराहे से नवादा और मंडी पुल तक लगी वाहनों की कतार, दो किमी का सफर 45 मिनट में हुआ पूरा

यूनिक समय, मथुरा। भाई दौज पर यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के दावे हाइवे थाना चौराहे पर दम तोड़ते नजर आए। चौराहे पर यातायात का दबाव और अव्यवस्था ऐसी रही कि देखते ही देखते वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम का दायरा एक ओर नवादा तो दूसरी ओर मंडी पुल तक पहुंच गया। दोनों ओर के सर्विस रोड भी वाहनों से पैक हो गए। हालात यह रहे कि महज दो किलोमीटर का रास्ता तय करने में वाहन चालकों को करीब 45 मिनट तक जूझना पड़ा।

भाई दौज पर भाइयों को तिलक करने के लिए घरों से निकलीं बहनें जाम में फंसकर रह गईं। उधर, घरों में भाई बहनों के पहुंचने का इंतजार करते रहे। रास्ते में फंसी बहनें मोबाइल फोन से भाइयों को अपनी लोकेशन बताती रहीं और पहुंचने में हो रही देरी की जानकारी देती रहीं। कई महिलाएं बच्चों के साथ सफर कर रही थीं।

लंबे समय तक वाहनों के बीच फंसे रहने से उन्हें खासी परेशानी उठानी पड़ी। त्योहार पर सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ने का अंदेशा पहले से था, इसके बावजूद हाइवे थाना चौराहे पर यातायात को नियंत्रित करने के इंतजाम नाकाफी नजर आए। चौराहे से निकलने की जद्दोजहद में वाहन रेंगते रहे और लोगों का कीमती समय जाम की भेंट चढ़ता रहा। यातायात व्यवस्था के दावों के बीच बहनों का भाई तक पहुंचने का इंतजार लंबा होता चला गया। नवादा से हाइवे और मंडी से हाइवे चौराहा तक के सर्विस रोड भी जाम में झाम में बदल गए।



हाइवे के अंडरपास के नीचे फरह कस्बा में लगा जाम।

सुबह से ही अराजक होने लगा यातायात

भाई दौज पर बुधवार सुबह से हाइवे पर यातायात अराजक होने लगा। फरह कस्बा में तो सुबह सात बजे से ही बेलगाम हो चुके टेंपों चालकों की मनमानी से जाम लगता रहा। बड़े वाहनों, ट्रैक्टर और अन्य वाहनों के आने से फरह का चौराहा सुबह नौ बजे तक जाम से जूझा, इसके 10 मिनट बाद आए पुलिसकर्किंयों ने मोर्चा संभाला जो हालात काबू में रहे। जय गुरुदेव अंडरपास भी जाम से जूझा। वाहन चालकों ने बताया के हाइवे थाना पर सुबह से जाम लगने लगा था।



भैया दौज पर गोवर्धन चौराहे पर लगे जाम में फंसे वाहन।

बांकेबिहारी मंदिर के आसपास भीषण जाम, श्रद्धालुओं के थमे कदम



बुधवार को बांकेबिहारी मंदिर के समीप जाम में फंसे वाहन।

यूनिक समय, वृंदावन। धर्मनगरी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते बांकेबिहारी मंदिर के आसपास यातायात व्यवस्था चरमरा गई। मंदिर की ओर जाने वाले प्रमुख मार्गों से लेकर आसपास की संकरी गलियों तक जाम के हालात बन गए। वाहनों और पैदल श्रद्धालुओं का दबाव बढ़ने से सड़कों पर आवागमन मुश्किल हो गया। कई जगह वाहन रेंगते नजर आए तो गलियों में पैदल निकलना भी चुनौती बन गया।

ठाकुर बांके बिहारी के दर्शन के लिए दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु वृंदावन पहुंचे। सुबह से ही मंदिर क्षेत्र में भक्तों की आवाजाही बढ़ने लगी। देखते ही देखते आसपास के बाजारों और प्रमुख रास्तों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम में फंसे वाहन चालक आगे निकलने के लिए जद्दोजहद करते रहे।

संकरी गलियों में भीड़ का दबाव बढ़ने से स्थानीय निवासियों और दुकानदारों को भी परेशानी उठानी पड़ी। वहीं बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के साथ आए श्रद्धालुओं को भी आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लगातार बढ़ती भीड़ के बीच यातायात व्यवस्था संभालना पुलिस प्रशासन के लिए चुनौती बना रहा। श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन और सुरक्षित आवागमन उपलब्ध कराने के लिए मंदिर क्षेत्र में प्रभावी यातायात प्रबंधन और अतिरिक्त पुलिस बल की जरूरत महसूस की गई।

प्रमुख मार्गों से लेकर संकरी गलियों तक वाहनों की कतारें स्थानीय लोगों को भी हुई परेशानी



बुधवार को कृष्णा नगर से गोवर्धन चौराहे की तरफ जाने वाले मार्ग पर लगा जाम।

यम द्वितीया पर सड़कों पर जाम, एक किमी तक लगी कतारें

यूनिक समय, मथुरा। यम द्वितीया के पर्व पर शहर में उमड़े श्रद्धालुओं और वाहनों के दबाव ने यातायात व्यवस्था की पोल खोल दी। प्रमुख मार्गों और चौराहों पर जाम के हालात बन गए। मछली मंडी रेलवे फाटक के फ्लाईओवर से स्टेट बैंक चौराहे तक एक किलोमीटर से अधिक दूरी में वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। बीएसए कॉलेज और भूतेश्वर तिराहे पर भी वाहन घंटों रेंगते रहे। जाम खुलवाने के लिए ट्रैफिक पुलिस को खासी मशक्कत करनी पड़ी।

त्योहार के चलते सुबह से ही सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ने लगा। देखते ही देखते प्रमुख मार्गों पर वाहनों के पहिए थम गए। जाम में फंसे वाहन चालक आगे निकलने की कोशिश करते रहे, लेकिन कुछ मीटर आगे बढ़ने के बाद फिर रुकना पड़ रहा था। संकरे रास्तों और वाहनों की अधिक संख्या ने मुश्किलें बढ़ा दीं।

सबसे ज्यादा परेशानी मछली मंडी फ्लाईओवर से स्टेट बैंक चौराहे के बीच रही। यहां जाम की स्थिति देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने ऑटो और ई-रिक्शाओं का आवागमन रोककर उन्हें दूसरे रास्तों से भेजा। स्टेट बैंक चौराहे से नए बस अड्डे की ओर जाने वाले वाहनों को सौंख अड्डे की तरफ डायवर्ट किया गया। इसके बावजूद राहत नहीं मिली।

बीएसए कॉलेज तिराहे तक वाहनों की कतारें पहुंच गईं। भूतेश्वर तिराहे से कृष्णानगर बिजलीघर तक भी वाहन रेंगते नजर आए। प्रमुख चौराहों पर पुलिसकर्मी यातायात नियंत्रित करने में जुटे रहे, लेकिन वाहनों के भारी दबाव के आगे व्यवस्था बेबस नजर आई।



यम द्वितीया पर शहर की सड़कों पर लगे जाम में फंसे वाहन।

मछली मंडी फ्लाईओवर से स्टेट बैंक चौराहे तक थमे वाहनों के पहिए बीएसए और भूतेश्वर तिराहे पर भी जूझे लोग



फरह चौराहा पर टेंपो चालकों की मनमानी से लगे जाम में फंसे वाहन।

तिलक कर बहनों ने भाई से लिया अपराध छोड़ने का वचन



बुधवार को जिला कारागार में भैया दौज पर मौजूद बहनें।



बुधवार को भाई दौज पर जिला कारागार के बाहर लगी महिलाओं की लाइन।

1473 बहनों ने 756 भाईयों का किया तिलक



बुधवार को जिला कारागार में भाई को तिलक करने के बाद बहन संवेदनाओं पर काबू नहीं रख सकी तो आंखों से प्रेम के आंसू निकल आए। आंसू पोंछती महिला।



जिला कारागार में प्रवेश से पहले महिला के हाथ पर लगी मोहर देखती सुरक्षाकर्मी।

यूनिक समय, मथुरा। भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का पर्व भाई दूज बुधवार को जिला कारागार में भावुक कर देने वाला दृश्य लेकर आया। जेल में निरुद्ध अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाने के लिए 1473 बहनें पहुंचीं, जिन्होंने 756 भाईयों का तिलक किया। लंबे समय बाद भाइयों को सामने देखकर किसी की आंखें खुशी से चमक उठीं तो किसी के आंसू छलक पड़े। तिलक के बाद जब बहनें भाइयों के गले मिलीं तो माहौल गमगीन हो गया। अपनों से मिलने की खुशी और दूरियों का दर्द एक साथ आंखों से बहने लगा।

जेल परिसर में भाई दूज के अवसर पर बहनों के पहुंचने से भावनाओं का सैलाब उमड़ पड़ा। बहनों ने पूरे स्नेह और परंपरागत रीति-रिवाज के साथ अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाया और उनकी लंबी उम्र और बेहतर भविष्य की कामना की। इस दौरान कई बहनें भाइयों को देखकर खुद को संभाल नहीं सकीं। किसी ने भाई के सिर पर हाथ फेरकर उसे दुलारा तो किसी ने गले लगाकर अपने दिल का दर्द बयां किया।

इस भावुक मुलाकात के बीच बहनों ने भाइयों से एक खास वचन भी लिया।

उन्होंने भाइयों से अपराध की राह छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने और भविष्य में कभी गलत रास्ते पर न चलने का संकल्प लिया। बहनों की आंखों में अपने भाइयों के सुधरने और फिर से सम्मानजनक जीवन जीने की उम्मीद साफ दिखाई दे रही थी। बहनों का स्नेह देखकर कई भाइयों की आंखें भी नम हो गईं। उनके लिए यह मुलाकात महज भाई दूज की रस्म नहीं, बल्कि अपनों के प्यार और परिवार से जुड़े होने का एहसास थी। इस दौरान जेल अधीक्षक अंशुमन गर्ग व्यवस्थाओं को परखते रहे।

जेल में निरुद्ध बहनों से तिलक कराने पहुंचे भाई

भाई दूज पर बहनें ही नहीं 15 पुरुष भी जेल में निरुद्ध बहनों से तिलक कराने पहुंचे। इसके साथ ही भाईयों को तिलक करने पहुंची 1473 महिलाओं के साथ 679 बच्चे भी पहुंचे।

जेल प्रशासन ने बहनों का किया स्वागत

जिला कारागार में निरुद्ध भाईयों का तिलक करने पहुंची बहनों के लिए जेल प्रशासन ने खास व्यवस्थाएं की थी। जेल अधीक्षक अंशुमन गर्ग के निर्देश पर कारागार के बाहर मुलाकात के लिए आई बहनों और माताओं को गर्मी से बचाव के लिए टैंट लगवाकर छाया करवाई गई। उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति के पदाधिकारियों द्वारा कारागार के बाहर मुलाकात के लिए आने वाली महिलाओं के पीने के लिए आरओ के पानी का काउन्टर लगवाया गया। साथ ही सभी के लिए जलपान और बच्चों के लिए चॉकलेट की व्यवस्था करायी गयी। कारागार के अन्दर मुलाकात की व्यवस्था के लिए बड़े स्थान में टैंट लगवाया गया, जिस पर कारपेट बिछाया गया। मुलाकात स्थल पर आरओ जल का प्रबन्ध कराया गया। मुलाकाती की सुविधा के लिए जगह-जगह रोली और चावल रखवाएं गए। मुलाकात प्रतीक्षालय से कारागार के गेट तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। सीसीटीवी के माध्यम से बंदियों पर निगरानी रखी गई।



जिला कारागार में भाई को तिलक करतीं बहनें।



जिला कारागार में भाई को तिलक करतीं बहन।

डॉ. अमर सिंह पौनिया का कार्यकर्ताओं ने उपहार देकर किया सम्मान



भाजपा ओबीसी मोर्चा ब्रज क्षेत्र उपाध्यक्ष डॉ. अमर सिंह पौनिया का स्वागत करते कार्यकर्ता।

यूनिक समय, कोसीकलां। दीपावली पर्व पर भाजपा ओबीसी मोर्चा ब्रज क्षेत्र उपाध्यक्ष डॉ. अमर सिंह पौनिया के आवास पर सुबह से ही कार्यकर्ताओं और समाजसेवियों के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। सभी ने उन्हें दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और फूल–मालाएं पहनाकर और उपहार भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यकर्ताओं में दीपावली को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर दीपावली की खुशियां साझा कीं। इस मौके पर डॉ. अमर सिंह पौनिया ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि दीपावली अंधकार पर प्रकाश और असत्य पर सत्य की विजय का पर्व है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आज पूरे देश और प्रदेश में विकास की दीपावली मनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने भारत का मान पूरी दुनिया में बढ़ाया है और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सुशासन और विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि आगामी 2027 में भी उत्तर प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने जा रही है। इसलिए सभी कार्यकर्ता अभी से संगठन को मजबूत करने में जुट जाएं और एक–एक बूथ को मजबूत कर चुनाव की तैयारी में लग जाएं। इस अवसर पर भाजपा के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

भैया दूज पर बहनों ने भाइयों का तिलक कर निभाई परंपरा

यूनिक समय, कोसीकलां। भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास के प्रतीक भैया दूज का पर्व बुधवार को पूरे क्षेत्र में बड़े ही श्रद्धा, उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। भैया दूज को लेकर सुबह से ही घरों में चहल-पहल देखने को मिली। बहनों ने सुबह स्नान कर नए वस्त्र धारण किए और पूजा की थाल तैयार की। थाल में रोली, अक्षत, चंदन, दीप, फूल और मिठाइयां सजाकर बहनें अपने भाई के घर पहुंचीं। जिन भाइयों की बहनें दूर रहती हैं, वे भी वाहनों से सफर तय कर अपने भाइयों के पास पहुंचीं। शास्त्रों के अनुसार, इस दिन बहन अपने भाई के माथे पर तिलक लगाकर उसकी सुख-समृद्धि की कामना करती है और भाई अपनी बहन की रक्षा का संकल्प लेता है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए बहनों ने अपने भाइयों का रोली–अक्षत से तिलक किया, आरती उतारी और मिठाई खिलाई। भाइयों ने भी अपनी बहनों को उपहार, वस्त्र और नेग देकर आशीर्वाद लिया।

पंडितों के अनुसार, भैया दूज को यम द्वितीया भी कहा जाता है। मान्यता है कि इस दिन यमुना ने अपने भाई यमराज का तिलक किया था, तभी से यह पर्व मनाया जा रहा है। इस दिन भाई–बहन का मिलन बहुत ही शुभ माना जाता है। क्षेत्र के सभी मंदिरों और घरों में भैया दूज को लेकर खुशी का माहौल रहा। पूरे दिन बधाइयों का दौर चलता रहा।

बाल मेले में दिखेंगे विज्ञान, नवाचार और लोक संस्कृति के रंग

यूनिक समय, मथुरा। बाल दिवस पर गोवर्धन रोड स्थित ज्ञान दीप शिक्षा भारती में 14 नवंबर को भव्य बाल मेले का आयोजन किया जाएगा। सुबह 10 से शाम चार बजे तक चलने वाले इस मेले में शिक्षा, विज्ञान, नवाचार और मनोरंजन के विविध रंग देखने को मिलेंगे। विज्ञान प्रदर्शनी में जहां नन्हे वैज्ञानिक अपनी प्रतिभा दिखाएंगे, वहीं जादू, कठपुतली नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां बच्चों के आकर्षण का केंद्र रहेंगी। मेले में भारत प्रसिद्ध जादूगर गोविंद ओझा अपने जादुई करतब दिखाएंगे। इसके अलावा डांसिंग एलीफेंट, हास्य प्रस्तुतियां, कठपुतली नृत्य, रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, झूले, खेल और खानपान के स्टॉल लगाए जाएंगे। बच्चे अभिभावकों के साथ मेले का आनंद ले सकेंगे। आयोजन में सामाजिक सरोकार को भी प्राथमिकता दी गई है। इसके तहत निःशुल्क स्वास्थ्य, दंत-नेत्र परीक्षण शिविर लगाया जाएगा। इसमें अभिभावकों और शहरवासियों को अनुभवी चिकित्सकों से स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श की सुविधा मिलेगी। विद्यालय के संस्थापक-सचिव पद्मश्री मोहन स्वरूप भाटिया और प्राचार्य रजनी नौटियाल ने बताया कि बाल मेले का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के साथ विज्ञान, कला, संस्कृति और मनोरंजन का मंच उपलब्ध कराना है। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, जिज्ञासा, नवाचार और सामाजिक सहभागिता की भावना विकसित होती है। मेले के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी होंगे। कार्यक्रम संयोजक अक्ष भाटिया हैं। संस्थापक–सचिव ने शिक्षक–शिक्षिकाओं सहित जनपदवासियों और अभिभावकों से सपरिवार मेले में शामिल होकर बच्चों का उत्साहवर्धन करने का आह्वान किया है।

ज्ञान दीप शिक्षा भारती में 14 नवंबर को होगा आयोजन जादूगर गोविंद ओझा का शो और निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर रहेंगे आकर्षण

नशे में राजेश की गला घोंटकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। छाता पुलिस ने राजेश की हत्या के मामले में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने शराब पीने के बाद हुए विवाद में तौलिये से गला घोंटकर राजेश की हत्या कर दी थी। इसके बाद साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को अजीजपुर रेलवे लाइन पर फेंक दिया था।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी पिंकू निवासी गांव बहरावली, थाना छाता ने पूछताछ में बताया कि शराब पीने के दौरान उसका राजेश से विवाद हो गया था। झगड़ा बढ़ने पर उसने तौलिये से राजेश का गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद शव को अजीजपुर रेलवे लाइन पर फेंककर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त तौलिये का टुकड़ा बरामद किया है।

हत्या के बाद शव रेलवे लाइन पर फेंका निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त तौलिये का टुकड़ा बरामद

सुविचार

संवेदनाओं से भरे शब्द जीवन को नई रोशनी और अर्थ देते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	तृतीया	10:36-06:09 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	ज्येष्ठा	11:38-02:19 तक	माह	कार्तिक
सूर्योदय		6:38 AM	चन्द्रोदय	09:25 AM
सूर्यास्त		5:29 PM	चंद्रास्त	07:30 PM
सूर्य राशि		तुला राशि	चंद्र	वृश्चिक राशि
शुभ मुहूर्त		11:41AM –12:26 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:52-05:43
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		01:25 PM: 02:46 PM	वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

कार्तिक पूर्णिमा पर दीपदान की परंपरा के पीछे है त्रिपुरासुर वध की कथा



यूनिक समय, मथुरा। कार्तिक पूर्णिमा पर ब्रज के मंदिरों और घाटों पर दीपदान की विशेष छटा दिखाई देती है। शाम ढलते ही यमुना के घाट दीपों की रोशनी से जगमगा उठते हैं। श्रद्धालु यमुना मैया की पूजा–अर्चना कर दीप जलाते हैं और सुख–समृद्धि की कामना करते हैं। लेकिन कार्तिक पूर्णिमा पर नदी और घाटों पर ही दीपदान की परंपरा क्यों है? इसके पीछे धार्मिक मान्यताओं के साथ भगवान शिव की त्रिपुरासुर वध की कथा भी जुड़ी हुई है।

नदी–घाटों पर दीप जलाकर श्रद्धालु करते हैं पुण्य की कामना

त्रिपुरारी पूर्णिमा के नाम से भी जानी जाती है यह तिथि

एक बाण से किया तीनों नगरों का विनाश

शिव पुराण की कथा के अनुसार, तारकासुर के तीन पुत्र तारकाक्ष, कमलाक्ष और विद्युनमाली ने कठोर तपस्या कर ब्रह्मा जी को प्रसन्न किया। उन्होंने अमर होने का वरदान मांगा, लेकिन ब्रह्मा जी ने मना कर दिया। तब तीनों ने सोने, चांदी और लोहे के तीन नगरों का वरदान मांगा। ये नगर हजार साल में एक बार एक सीध में आने थे और उसी समय एक ही बाण से उनका विनाश संभव था।

वरदान पाकर तीनों भाइयों का घमंड बढ़ गया। वे देवताओं और ऋषि–मुनियों को सताने लगे। परेशान देवताओं ने भगवान शिव से रक्षा की गुहार लगाई। तब शिवजी ने त्रिपुर का अंत करने का संकल्प लिया।

पौराणिक मान्यता के अनुसार, भगवान शिव ने दिव्य रथ पर सवार होकर तीनों नगरों के एक सीध में आने की प्रतीक्षा की। सही समय आते ही उन्होंने एक ही बाण से तीनों नगरों को भस्म कर दिया। इस विजय के बाद देवताओं ने दीप जलाकर उत्सव मनाया। तभी से शिवजी त्रिपुरारी कहलाए और कार्तिक पूर्णिमा को त्रिपुरारी पूर्णिमा भी कहा जाने लगा।

इस दिन नदी और घाटों पर दीपदान का खास महत्व है। भारतीय परंपरा में नदियों को जीवनदायिनी और पवित्र माना गया है। घाट पूजा और तीर्थ स्नान के प्रमुख स्थल रहे हैं। मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा पर पवित्र जल के पास दीप जलाने से पुण्य मिलता है। काशी की देव दीपावली इसकी प्रसिद्ध मिसाल है। ब्रज में भी श्रद्धालु यमुना किनारे दीपदान कर आस्था की ज्योति प्रज्ज्वलित करते हैं।



छावनी क्षेत्र में धूमधाम से हुई गोवर्धन पूजा सैकड़ों ने पाया अन्नकूट प्रसाद



सामूहिक गिरिराज पूजा करते हुए जिलाधिकारी सीपी सिंह सिंह ,एसएसपी श्लोक कुमार सिंह, ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष कमल कांत उपमन्यु, एडवोकेट बार के अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह आदि।

यूनिक समय, मथुरा। छावनी परिषद क्षेत्र के हनुमान नगर में परंपरागत सामूहिक गोवर्धन पूजा समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। गाय के गोबर से गिरिराज जी की भव्य आकृति बनाई गई। छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष एवं ब्रज प्रेस क्लब अध्यक्ष डॉ. कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट, उनकी धर्मपत्नी विशेष लोक अभियोजक (डीजीसी) अलका उपमन्यु और नेशनल डिबेटर रौनक उपमन्यु एडवोकेट ने विधि–विधान से पूजन–अर्चन किया।

जिलाधिकारी सीपी सिंह ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला अन्याय के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करने और विजय प्राप्त करने की प्रेरणा देती है। एसएसपी श्लोक कुमार सिंह ने कहा कि गोवर्धन पूजा अहंकार पर विजय का संदेश देती है। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने ब्रज की लीलाओं को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया।

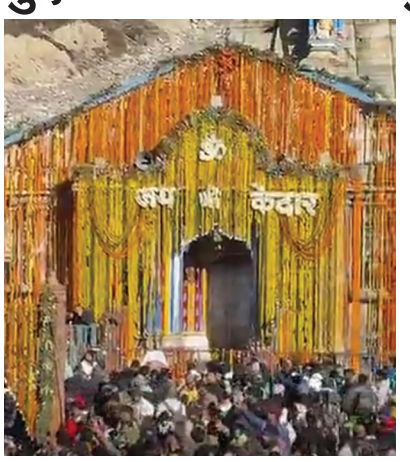
समारोह में सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा, सीओ रिफाइनरी प्रवीण तिवारी, सीओ वृंदावन संदीप कुमार, हाईवे प्रभारी अरविंद निर्वाल, बार अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह, सचिव मनोज शर्मा, कोसीकलां नगर पंचायत अध्यक्ष धर्मवीर अग्रवाल, निगम पार्षद राजीव सिंह एडवोकेट, पूर्व पार्षद कामरेड छीतर सिंह और वीरेंद्र चौधरी, महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, पूर्व सेल टैक्स अधिकारी चंद्रपाल सिंह पोनिया एडवोकेट तथा छावनी परिषद अधीक्षक प्रमोद कुमार सहित सैकड़ों लोगों ने पूजा–अर्चना कर अन्नकूट का प्रसाद ग्रहण किया।

शीतकाल के लिए बंद हुए केदारनाथ और यमुनोत्री धाम के कपाट

यूनिक समय, मथुरा। उत्तराखंड के प्रसिद्ध केदारनाथ और यमुनोत्री धाम के कपाट बुधवार को विधि–विधान और धार्मिक परंपराओं के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। केदारनाथ धाम के कपाट सुबह 8:30 बजे और यमुनोत्री धाम के कपाट 10:28 बजे बंद हुए। इसके साथ ही दोनों धामों की नियमित यात्रा का समापन हो गया।

कपाट बंद होने के बाद बाबा केदार की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली को मंदिर परिसर से बाहर लाया गया। गढ़वाल राइफल्स के सैन्य बैंड की मधुर धुनों और हर–हर महादेव के जयकारों के बीच डोली शीतकालीन गद्दीस्थल ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर के लिए रवाना हुई। तीन दिन की यात्रा के बाद डोली यहां पहुंचेगी।

यमुनोत्री धाम में विशेष पूजा–अर्चना के बाद मां यमुना की उत्सव डोली सोमेश्वर देवता की अगुवाई



में खरसाली स्थित खुशीमठ के लिए रवाना हुई। यहां अगले छह महीने तक श्रद्धालु मां यमुना के दर्शन कर

चारधाम यात्रा में इस साल 64.41 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

पिछले साल के मुकाबले दोनों धामों में बढ़ी भक्तों की संख्या

सेना के बैंड की धुनों के बीच रवाना हुई बाबा केदार की डोली

सकेंगे। इस वर्ष 10 नवंबर तक चारधाम यात्रा में 64.41 लाख श्रद्धालु पहुंच चुके थे। कपाट बंद होने से पहले केदारनाथ में 19.13 लाख और यमुनोत्री में 8.84 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

जब पहली बार गाय चराने निकले कान्हा,तभी शुरू हुई गोपाष्टमी की परंपरा

यूनिक समय, मथुरा। ब्रजभूमि में गोपाष्टमी का पर्व भगवान श्रीकृष्ण और गौसेवा के अटूट संबंध का प्रतीक है। इस दिन गायों को नहलाकर, सजाकर और तिलक लगाकर उनकी पूजा की जाती है। उनके गले में फूलों की माला पहनाई जाती है और सींगों को रंगों से सजाया जाता है। लेकिन गायों की पूजा और श्रृंगार की यह परंपरा आखिर शुरू कैसे हुई? इसके पीछे भगवान श्रीकृष्ण के बाल्यकाल की एक रोचक कथा जुड़ी हुई है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण बचपन में अपने बड़े भाई बलराम और ग्वाल–बालों के साथ बछड़ों को चराने जंगल जाया करते थे। उम्र छोटी होने के कारण उन्हें गायों की देखभाल की जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई थी। जब श्रीकृष्ण पौगंड अवस्था में पहुंचे तो नंद बाबा और ब्रज के ग्वालों ने उन्हें गाय चराने



की अनुमति दी।

कथा के अनुसार, कार्तिक शुक्ल पक्ष की अष्टमी को श्रीकृष्ण पहली बार बलराम और ग्वाल–बालों के साथ गायों को चराने वन की ओर निकले। इसी प्रसंग की स्मृति में गोपाष्टमी मनाने की परंपरा शुरू हुई। पद्म पुराण के कार्तिक माहात्म्य में भी इस पर्व का उल्लेख मिलता है।

गोपाष्टमी पर गायों की जाती है पूजा

श्रीकृष्ण की गौसेवा से जुड़ी है सदियों पुरानी परंपरा

गायों का श्रृंगार कर मनाते हैं गौसेवा का उत्सव

गोपाष्टमी पर गायों को नहलाकर उनके माथे पर चंदन और रोली का तिलक लगाया जाता है। सींगों को रंगों से सजाया जाता है और गले में फूलों की माला पहनाई जाती है। इसके बाद धूप–दीप से पूजा और आरती की जाती है। गायों को हरा चारा, गुड़ और रोटी खिलाई जाती है। कई स्थानों पर बछड़ों को भी सजाया जाता है।

ब्रज, मथुरा और वृंदावन में इस पर्व की विशेष रौनक रहती है। मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण को ग्वाल–बाल स्वरूप में सजाया जाता है और गौशालाओं में विशेष सेवा के आयोजन होते हैं। लोग गायों को चारा खिलाते हैं और उनकी देखभाल में सहयोग करते हैं।

गोपाष्टमी केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि पशुओं के प्रति करुणा, सम्मान और जिम्मेदारी निभाने का संदेश भी देती है। भगवान श्रीकृष्ण के गोपाल स्वरूप से जुड़ा यह पर्व याद दिलाता है कि गौसेवा केवल पूजा तक सीमित न रहे, बल्कि उनके भोजन, स्वास्थ्य और संरक्षण का भी पूरा ध्यान रखा जाए।

सम्पादकीय

हर चीज में अति की आदत, बच्चों का बचपन न कर दे गायब

आज का दौर अजीब है। हर किसी को सब कुछ चाहिए और वह भी तुरंत। मोबाइल चाहिए तो घंटों के लिए, खाना चाहिए तो मनपसंद, खरीदारी करनी है तो जरूरत से ज्यादा और अपनी बात कहनी है तो सामने वाले को चुप कराकर। जिंदगी में जैसे एक ही मंत्र रह गया है– जितना ज्यादा, उतना बेहतर। लेकिन सवाल यह है कि क्या ज्यादा पाने से जिंदगी बेहतर होती है या हम धीरे–धीरे अपनी ही इच्छाओं के गुलाम बनते जा रहे हैं? बाजार ने हमारी इसी कमजोरी को कारोबार बना लिया है। ऑनलाइन खरीदारी के विज्ञापन हर दिन बताते हैं कि कौन सी चीज खरीदने से जिंदगी बदल जाएगी। जरूरत हो या न हो, छूट देखकर सामान



पवन गौतम
संपादक

खरीदने की होड़ लग जाती है। घर सामान से भरते जा रहे हैं और मन का सुकून खाली होता जा रहा है। मोबाइल पर दुनिया देखने वाले लोग अपनों से बात करने का समय नहीं निकाल पा रहे हैं।

सबसे ज्यादा चिंता बच्चों को लेकर होनी चाहिए। बचपन सीखने, खेलने, सवाल पूछने और गलतियों से समझने का समय है। मगर आज कई बच्चों के लिए मोबाइल ही मनोरंजन और दुनिया बनता जा रहा है। वीडियो पर वीडियो, गेम पर गेम और हर कुछ सेकंड में नया रोमांच चाहिए। छोटी–सी असफलता भी बड़ी परेशानी लगने लगती है। बच्चों को समझाना होगा कि हर इच्छा तुरंत पूरी होना जरूरी नहीं और हर आकर्षक चीज उनके लिए जरूरी भी नहीं है। मॉडरेशन यानी संतुलन का मतलब जिंदगी का आनंद छोड़ देना नहीं, बल्कि उसका सही आनंद लेना है। मिठाई खाएं, लेकिन इतनी नहीं कि सेहत बिगड़ जाए। मोबाइल चलाएं, लेकिन किताबों और खेल के लिए भी समय बचाएं। खूब बोलें, लेकिन दूसरों को सुनने का धैर्य भी रखें। जीत का जश्न मनाएं, लेकिन हारने वाले का अपमान न करें। यही छोटे–छोटे संस्कार अच्छे व्यक्तित्व की नींव रखते हैं। माता–पिता और शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को केवल उपदेश न दें, बल्कि खुद उदाहरण बनें। यदि घर के बड़े हर समय मोबाइल में व्यस्त रहेंगे तो बच्चों से स्क्रीन से दूरी की उम्मीद कैसे की जा सकती है? बच्चों को संयम सिखाने के लिए बड़ों को भी अपने व्यवहार में संतुलन लाना होगा। आज विचारों से लेकर व्यवहार तक अतिवाद बढ़ रहा है। असहमति होते ही रिश्ते बिगड़ने लगते हैं। हर व्यक्ति अपनी बात को अंतिम सत्य साबित करना चाहता है। बच्चों को सिखाना होगा कि दूसरों की राय सुनना समझदारी है। असहमति दुश्मनी नहीं और गलती स्वीकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि साहस है। आखिर खुशी चीजों की संख्या से नहीं, उन्हें सही तरीके से इस्तेमाल करने की समझ से आती है। बच्चों को ऐसा भविष्य देना है जहां तकनीक भी हो, संस्कार भी, महत्वाकांक्षा भी हो, विनम्रता भी और आजादी भी हो, आत्मनियंत्रण भी। याद रखिए, पतंग आसमान में तभी ऊंची उड़ती है, जब उसकी डोर पर संतुलन बना रहे। जिंदगी भी इसी संतुलन से खूबसूरत बनती है।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

हिरासत का खेल खत्म, अब पुलिस की मनमानी पर लगेगी लगाम

बोध प्रकाश सगुणी

कानून का मकसद अपराधियों को सजा दिलाना है, न कि निर्दोष लोगों को बेवजह सलाखों के पीछे पहुंचाना। लेकिन देश की न्याय व्यवस्था में एक ऐसी विडंबना लंबे समय से दिखाई देती रही है, जहां किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता छीनने और उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार करने के बीच का अंतर पुलिस के लिए सुविधाजनक हथियार बन जाता है। हिरासत में लेकर घंटों पूछताछ की जाती है, जांच के नाम पर रोककर रखा जाता है और गिरफ्तारी की औपचारिकता बाद में पूरी होती है। इस दौरान व्यक्ति की आजादी पर लगी रोक का हिसाब कौन देगा? सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले ने इसी सवाल को न्याय व्यवस्था के सामने खड़ा कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्ज्वल भुयान की पीठ ने स्पष्ट किया है कि किसी व्यक्ति को हिरासत में लेने के 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश करना जरूरी है। यह समय औपचारिक गिरफ्तारी की तारीख और घड़ी से नहीं, बल्कि वास्तविक रूप से स्वतंत्रता छीनने के क्षण से शुरू होगा। यानी पुलिस किसी व्यक्ति को पहले हिरासत में रखकर बाद में गिरफ्तारी दिखाकर संवैधानिक समय–सीमा से बच नहीं सकती। यह फैसला केवल कानूनी व्याख्या नहीं, बल्कि आम नागरिक की स्वतंत्रता के पक्ष में एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप है। संविधान का अनुच्छेद 22(2) साफ कहता है कि गिरफ्तार व्यक्ति को यात्रा के समय को छोड़कर 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश करना होगा। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 56 भी गिरफ्तार व्यक्ति की सुरक्षा और उसके अधिकारों को सुनिश्चित करती है। इसके बावजूद व्यवहार में कई बार हिरासत और गिरफ्तारी के बीच का अंतर जांच एजेंसियों के लिए सुविधाजनक रास्ता बन जाता है। पुलिस पूछताछ, बरामदगी, पंचनामा और बयान दर्ज करने के नाम पर व्यक्ति को लंबे समय तक अपने नियंत्रण में रख सकती है। सवाल यह है कि यदि किसी नागरिक को थाने या जांच एजेंसी के नियंत्रण में रहने के लिए मजबूर किया गया है तो क्या वह स्वतंत्र है? क्या सिर्फ कागजों पर गिरफ्तारी दर्ज नहीं होने से उसकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता सुरक्षित मानी जा सकती है? सुप्रीम कोर्ट का संदेश स्पष्ट है कि संविधान की सुरक्षा औपचारिकताओं की मोहताज नहीं हो सकती। किसी व्यक्ति की आजादी पर वास्तविक रोक लगी है तो उसके अधिकार भी उसी क्षण प्रभावी होंगे। इस फैसले का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू न्यायिक जवाबदेही है। किसी व्यक्ति को पुलिस हिरासत से न्यायिक हिरासत में भेजने का अधिकार मजिस्ट्रेट के पास है। लेकिन व्यवहार में कई बार रिमांड के आदेश नियमित औपचारिकता की तरह पारित हो जाते हैं। आरोपी को अदालत में पेश किया जाता है, पुलिस अपनी मांग रखती है और बिना पर्याप्त पड़ताल के जेल भेजने का आदेश जारी हो जाता है। न्याय का यह तरीका संविधान की भावना के अनुरूप नहीं कहा जा सकता। मजिस्ट्रेट को यह देखना होगा कि हिरासत कब शुरू हुई, कितने समय तक व्यक्ति को पुलिस के नियंत्रण में रखा गया और गिरफ्तारी की प्रक्रिया कानून के अनुरूप है या नहीं। रिमांड का आदेश केवल सरकारी कागज पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि नागरिक की स्वतंत्रता पर न्यायिक निगरानी का सबसे महत्वपूर्ण अवसर है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के 2023 के आंकड़े इस समस्या की गंभीरता बताते हैं। देश की जेलों में बंद लगभग 5.3 लाख लोगों में 3.9 लाख विचाराधीन कैदी थे। यानी बड़ी संख्या ऐसे लोगों की थी जिनके अपराध अभी अदालत में साबित नहीं हुए थे। इसी वर्ष 150 से अधिक विचाराधीन कैदियों की जेल में मृत्यु भी हुई। ऐसे आंकड़े न्याय व्यवस्था के सामने आत्ममंथन की मांग करते हैं। जब किसी व्यक्ति को दोषी साबित होने से पहले ही वर्षों तक जेल में रहना पड़े तो न्याय मिलने की प्रक्रिया स्वयं सजा बन जाती है। भारतीय न्याय व्यवस्था की एक बड़ी विडंबना यह है कि जमानत का अधिकार कागज पर समान



दिखाई देता है, लेकिन उसका लाभ उठाने की क्षमता सभी के पास समान नहीं होती। आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति जमानत मिलने के बावजूद जमानतदार, मुचलका और अन्य शर्तें पूरी नहीं कर पाता। दूसरी ओर, साधन संपन्न व्यक्ति कानूनी सहायता लेकर राहत पाने में अपेक्षाकृत सक्षम होता है। नतीजा यह कि मामूली आरोपों में बंद गरीब व्यक्ति जेल में समय गुजारता रहता है।

क्या किसी व्यक्ति की आर्थिक स्थिति उसके अधिकारों का निर्धारण करेगी? क्या जमानत मिलने के बाद भी केवल कागजी औपचारिकताएं पूरी नहीं कर पाने के कारण उसे जेल में रहना चाहिए? न्याय व्यवस्था को ऐसे मामलों की पहचान कर त्वरित राहत देनी होगी। जमानत याचिकाओं का समयबद्ध निस्तारण और अग्रिम जमानत के मामलों में अनावश्यक देरी रोकना भी जरूरी है। गलत गिरफ्तारी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए और जहां कानूनन उचित हो, पीड़ित को मुआवजा भी मिलना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले की प्रति सभी हाईकोर्ट और राज्यों के पुलिस महानिदेशकों को भेजने का निर्देश दिया है। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि कानून का प्रभाव तभी दिखाई देगा जब थाने से लेकर जिला अदालत और उच्च न्यायालय तक उसका पालन सुनिश्चित हो। पुलिस की जांच प्रक्रिया पारदर्शी हो, हिरासत का सही समय दर्ज किया जाए और मजिस्ट्रेट प्रत्येक रिमांड आदेश में स्वतंत्र विवेक का इस्तेमाल करें। यह भी जरूरी है कि संसद और सरकार कानूनों की मौजूदा व्यवस्थाओं की समीक्षा करें, ताकि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और एनडीपीएस जैसे विशेष कानूनों में हिरासत से जुड़े प्रावधानों के बीच स्पष्टता बनी रहे। हालांकि किसी भी कानूनी बदलाव के नाम पर नागरिकों के मौलिक अधिकारों को कमजोर नहीं किया जाना चाहिए।

न्याय का अर्थ अपराधियों को संरक्षण देना नहीं है। खतरनाक अपराधियों को कानून के मुताबिक सख्त सजा मिलनी चाहिए, लेकिन मामूली आरोपों में पकड़े गए लोगों को अनावश्यक हिरासत में रखना भी न्याय नहीं है। पुलिस को जांच का अधिकार है, मगर यह अधिकार असीमित नहीं हो सकता। अदालतों को भी यह समझना होगा कि उनकी एक कलम किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता बचा सकती है और लापरवाही से चलाया गया एक हस्ताक्षर उसकी जिंदगी बदल सकता है। आखिरकार, किसी लोकतंत्र की मजबूती इस बात से नहीं मापी जाती कि उसकी पुलिस कितने लोगों को हिरासत में लेती है, बल्कि इससे मापी जाती है कि वह नागरिकों के अधिकारों की कितनी रक्षा करती है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला तभी सार्थक होगा, जब हिरासत और गिरफ्तारी के बीच छिपे कानूनी रास्तों का दुरुपयोग बंद होगा। कानून की किताबों में आजादी का अधिकार लिख देना पर्याप्त नहीं है, उसे थानों और अदालतों में भी सुरक्षित रखना होगा। वरना न्याय की उम्मीद में अदालत पहुंचा आम आदमी तारीखों के साथ अपनी आजादी भी गंवाता रहेगा।

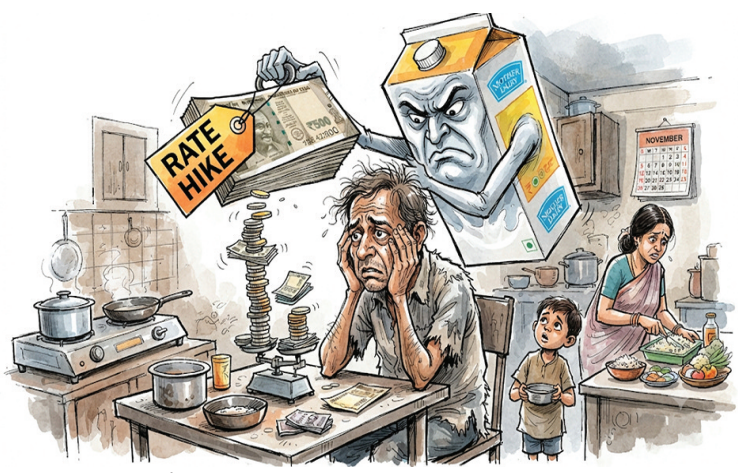
विचार विंडो

महंगाई की मलाई कंपनी खाए, बिल जनता चुकाए

राम प्रकाश शर्मा

महंगाई का मीटर फिर तेज हो गया है। इस बार निशाने पर आम आदमी की रसोई है और हथियार बना है दूध। मदर डेयरी ने दूध की कीमतों में दो से चार रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी कर दी है। नई दरें 12 नवंबर से लागू होंगी। सुनने में दो से चार रुपये की बढ़ोतरी मामूली लग सकती है, लेकिन महीने के बजट में इसका हिसाब लगाइए तो समझ आएगा कि महंगाई की चोट कितनी गहरी है। अब सवाल यह है कि आखिर आम आदमी अपनी कमाई का कितना हिस्सा सिर्फ पेट भरने में खर्च करेगा?

दूध कोई शौक की चीज नहीं है कि महंगा हुआ तो खरीदना बंद कर दिया। यह बच्चों की जरूरत है, बुजुर्गों की आदत है और घर की रसोई का जरूरी हिस्सा है। सुबह की चाय से लेकर बच्चों के नाश्ते, दही, पनीर और मिठाई तक दूध की मौजूदगी है। ऐसे में इसकी कीमत बढ़ना सीधे हर घर के बजट पर हमला है। जिन परिवारों में रोजाना एक–दो लीटर दूध आता है, उन्हें अब महीने के खर्च में अतिरिक्त रकम जोड़नी पड़ेगी। दो रुपये की बढ़ोतरी भी महीने में 60 से 120 रुपये का अतिरिक्त बोझ डाल सकती है। चार रुपये बढ़े तो यह बोझ दोगुना हो जाएगा।



कंपनी का तर्क है कि किसानों से दूध खरीदने की लागत बढ़ गई है। यह भी बताया गया है कि दूध की बिक्री से होने वाली कमाई का 75 से 80 प्रतिशत हिस्सा किसानों को दिया जाता है। किसानों को उचित कीमत मिलनी चाहिए, इसमें कोई दो राय नहीं है। आखिर पशुपालन, चारे, दवाइयों और रखरखाव का खर्च भी बढ़ रहा है। लेकिन सवाल यह है कि लागत बढ़ने का पूरा या अधिकांश बोझ आखिर उपभोक्ता ही क्यों उठाए? कंपनियों की लागत का हिसाब जनता की जेब से ही क्यों बराबर किया जाता है?

मदर डेयरी दिल्ली–एनसीआर में रोजाना करीब 35 लाख लीटर दूध बेचती है। देशभर में इसकी बिक्री 50 लाख लीटर से अधिक है। यानी यह कोई छोटी–मोटी बढ़ोतरी नहीं, बल्कि करोड़ों उपभोक्ताओं की जेब से जुड़ा मामला है।

फुल क्रीम दूध 72 से बढ़कर 76 रुपये, टोन्ड दूध 60 से 62 रुपये और गाय का दूध 62 से 65 रुपये प्रति लीटर हो गया है। डबल टोन्ड दूध भी 54 से 56 रुपये तक पहुंच गया है। अब दूध खरीदने वाला ग्राहक पैकेट उठाने से पहले कीमत जरूर देखेगा, लेकिन बच्चे को दूध देना तो बंद नहीं कर सकता।

महंगाई की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि जिन चीजों के बिना घर नहीं चलता, उन्हीं की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। गैस महंगी हो तो रसोई का हिसाब बिगड़ता है, सब्जियां महंगी हों तो थाली से स्वाद गायब होता है और दूध महंगा हो तो सुबह की चाय तक महंगी पड़ने लगती है। आम आदमी की जिंदगी अब खर्च घटाने की प्रयोगशाला बन गई है। कभी तेल कम, कभी चीनी कम, कभी सब्जी कम और अब दूध का हिसाब भी नाप–तौलकर करना पड़ेगा।

मजाक देखिए, महंगाई के दौर में आम आदमी को बचत करने की सलाह भी खूब दी जाती है। लेकिन बचत करे तो कहां से? बच्चों की पढ़ाई का खर्च कम नहीं कर सकता, बिजली का बिल अपनी मर्जी से घटा नहीं सकता, मकान का किराया टाल नहीं सकता और दूध की जरूरत से मुंह नहीं मोड़ सकता। महीने की पहली तारीख को मिलने वाली तनख्वाह और आखिरी तारीख तक चलने वाले खर्च के बीच पहले ही लंबी जंग चलती है। अब दूध की कीमतों ने इस जंग में एक और मोर्चा खोल दिया है।

मदर डेयरी के कारोबार में पिछले वित्तीय वर्ष में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई और टर्नओवर 20,300 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। कंपनी के लिए यह निश्चित रूप से उपलब्धि है। लेकिन आम उपभोक्ता के लिए उपलब्धि यह होगी कि महीने का राशन बिना उधार लिए पूरा हो जाए। कंपनियों का कारोबार बढ़ना अच्छी बात है, किसानों को बेहतर कीमत मिलना भी जरूरी है, मगर उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति का ख्याल रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

बाजार में प्रतिस्पर्धा और लागत का तर्क अपनी जगह है, लेकिन दूध जैसी आवश्यक वस्तु की कीमतों में बढ़ोतरी का असर व्यापक होता है। सरकार और संबंधित एजेंसियों को भी देखना चाहिए कि जरूरी खाद्य पदार्थों की कीमतें लगातार बढ़ने से निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों पर कितना दबाव पड़ रहा है।

आखिर विकास का पैमाना सिर्फ कंपनियों का बढ़ता टर्नओवर नहीं हो सकता। असली विकास तब होगा, जब किसान को उसकी मेहनत का उचित मूल्य मिले और उपभोक्ता भी अपनी जरूरत की चीजें सम्मानजनक कीमत पर खरीद सके। वरना हालात ऐसे ही रहे तो आने वाले दिनों में आम आदमी की सुबह चाय की चुस्की से नहीं, दूध के नए रेट देखकर शुरू होगी। सवाल सिर्फ इतना है कि महंगाई की इस दौड़ में आम आदमी आखिर कब तक दौड़ता रहेगा और राहत की मंजिल कब आएगी?

आईपीएल में दो टीमों के सितारे बदले, 36 करोड़ का बड़ा ट्रेड

पंजाब को हार्दिक, मुंबई को मिला अर्शदीप का साथ

हार्दिक-अर्शदीप की अदला-बदली,

दोनों को मिलेंगे 18-18 करोड़ रुपये





यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2027 सीजन से पहले मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच बड़ा ट्रेड हुआ है। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अब मुंबई इंडियंस का साथ छोड़कर पंजाब किंग्स की टीम में शामिल होंगे। वहीं, पंजाब के भरोसेमंद तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह मुंबई इंडियंस की जर्सी में नजर आएंगे। इस ट्रेड में दोनों खिलाड़ियों की फीस 18-18 करोड़ रुपये तय की गई है। हार्दिक की फीस पहले 16.35 करोड़ रुपये थी, जिसे बढ़ाकर 18 करोड़ रुपये कर दिया गया है। वहीं, अर्शदीप अपनी मौजूदा 18 करोड़ रुपये की फीस पर ही मुंबई से जुड़ेंगे।

हार्दिक पंड्या ने मुंबई इंडियंस के लिए 2015 से 2021 तक लगातार सात सीजन खेले। इसके बाद 2022 और 2023 में गुजरात टाइटंस का हिस्सा रहे। 2024 में मुंबई ने उन्हें दोबारा टीम में शामिल कर कप्तानी सौंपी।

हालांकि, उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। 2024 में मुंबई आखिरी स्थान पर रही, 2025 में प्लेऑफ तक पहुंची, जबकि 2026 में नौवें स्थान पर रही। गुजरात टाइटंस के कप्तान के रूप में हार्दिक का रिकॉर्ड बेहतर रहा था।

अर्शदीप सिंह ने 2019 में पंजाब किंग्स के लिए आईपीएल डेब्यू किया था। तब से अब तक वह इसी फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे। उन्होंने 96 मैचों में 111 विकेट हासिल किए हैं। अब पहली बार वह किसी दूसरी टीम की ओर से खेलते नजर आएंगे। मुंबई इंडियंस को उनकी तेज गेंदबाजी से मजबूती मिलने की उम्मीद है।

जहरीली हवा ने लाहौर से छीन लिया टेस्ट मैच,पहुंचा रावलपिंडी

लाहौर से रावलपिंडी पहुंचा पाकिस्तान-श्रीलंका टेस्ट

खराब वायु गुणवत्ता के चलते पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बदला मुकाबले का स्थान

17 नवंबर से खेला जाएगा दूसरा टेस्ट



यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच होने वाले दूसरे टेस्ट मैच पर प्रदूषण की मार पड़ी है। लाहौर में बढ़ते धुएं और खराब वायु गुणवत्ता के चलते पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मुकाबले का स्थान बदलने का फैसला किया है। अब यह मैच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम के बजाय रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। बोर्ड ने बुधवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। हालांकि, मैच की तारीखों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दूसरा टेस्ट 17 से 21 नवंबर तक खेला जाएगा।

लाहौर इन दिनों मौसमी धुंध और धुएं की चपेट में है। स्विस कंपनी आईक्यूएयर के आंकड़ों के मुताबिक, 10 नवंबर को लाहौर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर रहा। हर साल अक्टूबर से दिसंबर के बीच पाकिस्तान और भारत के कई इलाकों में वायु प्रदूषण की समस्या गंभीर हो जाती है। ऐसे में खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और मैच के आयोजन को लेकर चिंताएं बढ़ गई थीं।

लाहौर में खराब दृश्यता के कारण प्रसारणकर्ताओं ने मैच के सीधे प्रसारण की गुणवत्ता को लेकर चिंता जताई थी। वायु गुणवत्ता बिगड़ने के बाद प्रसारण दल को लाहौर जाने की तैयारियां रोकने के निर्देश दिए गए। इसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मैच का स्थान बदलने का निर्णय लिया। इस फैसले से लाहौर में शुरुआती सर्दियों के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कराने की बोर्ड की योजना को झटका लगा है। यदि मुकाबला गद्दाफी स्टेडियम में होता तो 2007 के बाद पहली बार नवंबर में लाहौर में अंतरराष्ट्रीय मैच खेला जाता।

दूसरी ओर, भारत और श्रीलंका के बीच 13 दिसंबर को होने वाले पहले एकदिवसीय मैच का स्थान भी बदल दिया गया है। यह मुकाबला पहले दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होना था, लेकिन अब विशाखापत्तनम के एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अनुसार, दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ ने संभावित मौसम संबंधी बाधाओं और स्टेडियम में प्रस्तावित नवीनीकरण के चलते स्थान बदलने का अनुरोध किया था।

'बिग बॉस 20 में जय भानुशाली का नाम आते ही भड़कीं माही विज



यूनिक समय, नई दिल्ली। रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में इन दिनों विवाद और तकरार का दौर जारी है। ताजा एपिसोड में अभिनेत्री माही विज और लव गिल के बीच तीखी बहस देखने को मिली। मामला स्काउट ओपी और काशवी के रिश्ते से शुरू हुआ, लेकिन बहस बढ़ते-बढ़ते माही की निजी जिंदगी तक पहुंच गई। इस दौरान जय भानुशाली का नाम आने पर माही अपना आपा खो बैठीं और लव को सख्त चेतावनी दे डाली।

दरअसल, लव गिल ने माही पर उन्हें 'होमब्रेकर' कहने का आरोप लगाया था। माही ने सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने यह बात स्काउट से बातचीत के दौरान कही थी। उनका मकसद किसी के निजी रिश्ते पर टिप्पणी करना नहीं था। इसके बावजूद दोनों के बीच बहस खत्म नहीं हुई।

कार्यक्रम के आगामी प्रसारण के विज्ञापन में दिखाया गया कि बहस के दौरान लव गिल ने जय भानुशाली और माही के तलाक का जिक्र किया। इस पर माही भावुक हो गईं। उन्होंने लव से कहा कि उनके पति को इस विवाद के बीच न लाया जाए। माही ने दोबारा चेतावनी देते हुए कहा कि उनके पति के बारे में ऐसी बातें बर्दाश्त नहीं करेंगी। इस दौरान उनकी आंखों में आंसू भी आ गए।

बोलीं— मेरे पति को विवाद में मत घसीटो

निजी जिंदगी पर टिप्पणी से हुईं भावुक

इस विवाद में अभिनेत्री अम्रपाली दुबे और अन्य सदस्यों ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने माही से 'होमब्रेकर' शब्द के इस्तेमाल पर सवाल किए और कहा कि ऐसे शब्द किसी को भी आहत कर सकते हैं।

पवन कल्याण के तलाक पर पूर्व पत्नी रेणु ने उठाई आवाज



यूनिक समय, नई दिल्ली। तेलुगु अभिनेता और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की तीसरी पत्नी अन्ना लेझनेवा से अलग होने की खबर के बीच उनकी पूर्व पत्नी और अभिनेत्री रेणु देसाई ने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा किया है। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना लोगों से मुश्किल समय से गुजर रहे व्यक्ति के प्रति संवेदनशील रहने की अपील की। रेणु ने कहा कि पहले से परेशान व्यक्ति की आलोचना करना और उसे नीचे गिराना अमानवीय है।

रेणु ने अपनी पोस्ट में लिखा कि किसी की हैसियत चाहे जो भी हो, यह नहीं भूलना चाहिए कि वह भी किसी का बच्चा, माता-पिता या भाई-बहन है। दूसरों के घरों पर पत्थर फेंकने से पहले अपनी जिंदगी पर भी नजर डालनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर इंसान में दया और संवेदनशीलता होनी जरूरी है। पोस्ट के आखिर में उन्होंने स्पष्ट किया कि समझदारी और दयालुता की बातें करने के लिए उन्हें किसी ने पैसे नहीं दिए हैं। यह उनकी अपनी सोच है।

बोलीं— मुश्किल दौर से गुजर रहे इंसान की आलोचना करना अमानवीय, दया और संवेदनशीलता जरूरी

पवन कल्याण और अन्ना लेझनेवा ने 10 नवंबर को संयुक्त बयान जारी कर आपसी सहमति और सम्मान के साथ अलग होने की जानकारी दी थी। दोनों ने बच्चों की परवरिश की जिम्मेदारी मिलकर निभाने और अच्छे दोस्त बने रहने की बात कही।

पवन कल्याण ने 2009 में अभिनेत्री रेणु देसाई से शादी की थी। हालांकि, 2012 में दोनों का तलाक हो गया। इसके बाद सितंबर 2013 में पवन ने रूसी मूल की अन्ना लेझनेवा से शादी की थी। इस रिश्ते के 13 साल बाद अब दोनों ने अलग होने का फैसला किया है।

सातवें दिन भी 'रामायण' की कमाई का तूफान जारी



यूनिक समय, नई दिल्ली। रणबीर कपूर और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म 'रामायण' का बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन जारी है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने रिलीज के सातवें दिन भी अच्छी कमाई की है। 5 नवंबर को सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई फिल्म को देश-विदेश में दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। छह दिनों में फिल्म दुनियाभर में 823.50 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुकी है और 800 करोड़ क्लब में शामिल हो गई है।

सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, सातवें दिन फिल्म ने भारतीय बाजार में 4.77 करोड़ रुपये की शुद्ध कमाई की। इसमें हिंदी संस्करण का सबसे बड़ा योगदान रहा। हिंदी में 3.75 करोड़, कन्नड़ में 39 लाख, तमिल में 24 लाख, तेलुगु में 20 लाख और मलयालम में 19 लाख रुपये का कारोबार हुआ। छह दिनों में भारत में फिल्म की कुल शुद्ध कमाई 440.45 करोड़ रुपये पहुंच गई, जबकि सकल कारोबार 526.50 करोड़ रुपये रहा।

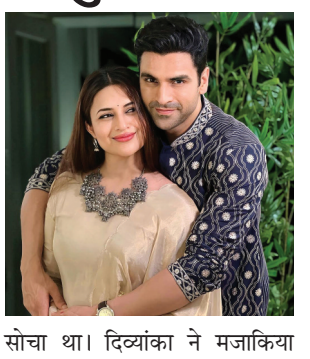
दुनियाभर में 823 करोड़ के पार पहुंचा कारोबार

भारत में 440 करोड़ से ज्यादा की कमाई

विदेशों में भी 'रामायण' को शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। थाईलैंड में फिल्म ने शुरुआती विस्तारित सप्ताहांत में करीब 5.15 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसके साथ ही यह वहां सर्वाधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों की सूची में शामिल हो गई है। वहीं, इंडोनेशिया में भी फिल्म का भव्य प्रदर्शन हुआ, जहां भारतीय परिधानों में पहुंचे दर्शकों ने खास आकर्षण बढ़ाया।

विवेक दहिया के जन्मदिन पर दिव्यांका त्रिपाठी ने लुटाया प्यार

बोलीं- जन्मदिन का पोस्ट देर से आया, लेकिन प्यार में कोई कमी नही, आग की घटना से बिगड़ा जश्न



यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी ने पति विवेक दहिया के जन्मदिन पर उनके साथ कुछ अनदेखी तस्वीरें साझा कर प्यार भरा संदेश लिखा। इस बार दोनों जन्मदिन का जश्न अपनी योजना के मुताबिक नहीं मना सके। दिवाली से ठीक पहले उनकी इमारत में आग लगने की घटना के कारण खुशियों का माहौल प्रभावित हुआ।

दिव्यांका ने बताया कि ये तस्वीरें 7 नवंबर की हैं। उन्हें अंदाजा नहीं था कि उसी रात इमारत में आग लग जाएगी। उन्होंने लिखा कि विवेक का जन्मदिन 8 नवंबर को था, लेकिन परिस्थितियों के चलते जश्न वैसा नहीं हो पाया जैसा सोचा था। दिव्यांका ने मजाकिया अंदाज में लिखा कि वह शांत रहना पसंद करती हैं, जबकि विवेक हर पल में रोमांच तलाशते हैं। उन्होंने दोनों की जोड़ी को एक-दूसरे का पूरक बताया।

अभिनेत्री ने विवेक को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि वह उनके अंदर के शरारती बच्चे को कभी खोने न दें। उन्होंने कहा कि वह हमेशा उनके साथ रहकर उनकी मस्ती देखना, उस पर हंसना और कभी-कभी आंखें घुमाना चाहती हैं।

छठ मनाने प्रयागराज जा रहा था परिवार पत्नी और दो बेटों समेत चार की मौत

गंगा एक्सप्रेसवे पर आईटी कंपनी के वीसी की कार हादसे का शिकार

डिवाइडर से टकराकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई कार, झपकी आने से हादसे की आशंका



यूनिक समय, हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई में गंगा एक्सप्रेसवे पर बुधवार दोपहर भीषण सड़क हादसे में नोएडा की एक निजी आईटी कंपनी के वाइस चेयरमैन, उनकी पत्नी और दो मासूम बेटों की मौत हो गई। परिवार छठ पर्व मनाने के लिए कार से अपने पैतृक घर प्रयागराज जा रहा था। इसी दौरान सांडी थाना क्षेत्र के अंटवा गांव के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर डिवाइडर पर लटक गई। हादसे की वजह तेज रफ्तार के दौरान चालक को झपकी आना माना जा रहा है। मृतकों की पहचान प्रयागराज निवासी 40 वर्षीय सौरभ उपाध्याय, उनकी 35 वर्षीय पत्नी मेनका और सात वर्षीय बेटे शिवोम के रूप में हुई है। उनका डेढ़ साल का छोटा बेटा व्योम भी हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे पहले बिलग्राम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया। हालांकि, इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस तरह हादसे में परिवार के चारों सदस्यों की जान चली गई।

जानकारी के मुताबिक, सौरभ के पिता जय गोविंद उपाध्याय एयरफोर्स में एसपीओ के पद से सेवानिवृत्त हैं। सौरभ नोएडा की एक निजी आईटी कंपनी में वाइस चेयरमैन थे। बुधवार सुबह वह पत्नी और दोनों बच्चों के साथ खुद कार चलाकर प्रयागराज के लिए निकले थे। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही एएसपी सुबोध कुमार गौतम और बिलग्राम सीओ राममूरत सोनकर पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने परिजनों को हादसे की जानकारी दी। एएसपी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊ में गोमती नदी में मिला लापता युवक का शव

ससुराल वालों पर टॉर्चर का आरोप लगाकर परिवार को भेजा वीडियो

सुसाइड से पहले ठहराया था जिम्मेदार



यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में ससुराल पक्ष से परेशान 27 वर्षीय युवक का शव बुधवार को गोमती नदी में मिला। मृतक की पहचान सआदतगंज निवासी मोहम्मद जीशान के रूप में हुई है। वह सोमवार रात से लापता था। आत्महत्या से पहले जीशान ने एक वीडियो बनाकर अपने परिवार को भेजा था, जिसमें उसने ससुराल वालों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। पुलिस के मुताबिक, 10 नवंबर की देर रात करीब 3 बजे समतामूलक चौराहे से 1090 चौराहे की ओर जाने वाले गोमती पुल पर जीशान की बाइक लावारिस हालत में मिली थी। बाइक के ऊपर उसका मोबाइल फोन भी चालू हालत में रखा था। पुलिस ने ई-चालान ऐप की मदद से बाइक मालिक की पहचान की और परिजनों से संपर्क किया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि जीशान ने रात करीब एक बजे अपने बहनोई को वीडियो भेजा था। इसमें उसने अपनी पत्नी महवर, सास सीमा और अन्य ससुरालियों पर मारपीट और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया था।

उसने वीडियो में अपनी मौत के लिए इन्हीं लोगों को जिम्मेदार ठहराया था। इसके बाद पुलिस ने एसडीआरएफ की मदद से गोमती नदी में तलाशी अभियान चलाया। बुधवार सुबह करीब 11 बजे गोमतीनगर क्षेत्र में रिवर फ्रंट के पास जीशान का शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

देश का तीसरा सबसे साफ शहर बना लखनऊ

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में विशाखापत्तनम पहले और जबलपुर दूसरे स्थान पर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिया पुरस्कार



यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ ने स्वच्छता के मामले में देशभर में तीसरा स्थान हासिल किया है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की रैंकिंग में शहर ने अपना पिछला प्रदर्शन बरकरार रखा है। बुधवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लखनऊ नगर निगम को इस उपलब्धि के लिए सम्मानित किया। नगर विकास मंत्री एके शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल, प्रमुख सचिव पी. गुरुप्रसाद और नगर आयुक्त गौरव कुमार ने पुरस्कार ग्रहण किया। इस बार सबसे स्वच्छ शहरों की सूची में विशाखापत्तनम ने पहला और जबलपुर ने दूसरा स्थान हासिल किया है। लखनऊ लगातार तीसरी बार तीसरे पायदान पर रहा। इससे पहले 2024 और 2025 में भी शहर को यही स्थान मिला था। पिछले साल लखनऊ ने बड़ी छलांग लगाते हुए 44वें स्थान से सीधे तीसरे स्थान पर जगह बनाई थी। स्वच्छ सर्वेक्षण का यह 10वां संस्करण था, जिसमें देश के 4,751 से अधिक शहरों को शामिल किया गया। शहरों की रैंकिंग 10 प्रमुख क्षेत्रों और 43 मानकों के आधार पर तय की गई। इस बार सर्वेक्षण में नागरिकों की भागीदारी और उनके फीडबैक पर भी विशेष जोर दिया गया। सर्वे के दौरान घर-घर कूड़ा उठाने की व्यवस्था, गीले और सूखे कचरे का अलग-अलग संग्रह, सार्वजनिक शौचालयों की सफाई और नागरिकों की शिकायतों के निस्तारण की स्थिति का आकलन किया गया। इसके अलावा फील्ड सर्वे के जरिए शहरों में स्वच्छता की वास्तविक स्थिति भी जांची गई।

आगरा में पांच थाना प्रभारियों के तबादले

गोरखनाथ मठ को आग लगाने की धमकी देने वाले बर्खास्त फायरमैन से जुड़ा था मामला

निशामक त्यागी को पुलिस लाइन भेजा गया

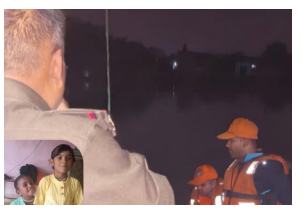


यूनिक समय, कानपुर। आगरा कमिश्नरेट में भाई दूज के मौके पर पांच थानों के प्रभारियों के तबादले किए गए हैं। इस फेरबदल में न्यू आगरा थाने के प्रभारी निरीक्षक निशामक त्यागी को भी हटा दिया गया है। उनकी जगह सचिन कुमार शर्मा को थाना प्रभारी बनाया गया है। निशामक त्यागी को फिलहाल कोई नई जिम्मेदारी नहीं दी गई है और उन्हें पुलिस लाइन भेज दिया गया है। निशामक त्यागी उस समय चर्चा में आए थे, जब गोरखनाथ मठ को आग लगाने की धमकी देने वाला बर्खास्त फायरमैन जितेंद्र राठौर दिवाली पर उन्हें मिठाई देने थाने पहुंचा था। थाना प्रभारी ने उससे हंसते हुए मिठाई का डिब्बा लिया था। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जानकारी के मुताबिक, जितेंद्र राठौर ने यूपी-112 पर कॉल कर गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मठ में आग लगाने की धमकी दी थी। उसने जांच रिपोर्ट समय पर नहीं मिलने की बात कहते हुए यह धमकी दी थी। इसके बाद वह मिठाई लेकर न्यू आगरा थाने पहुंचा और थाना प्रभारी को दिवाली की शुभकामनाएं दीं। तबादले के तहत निरीक्षक अजय कुमार को जगदीशपुरा, प्रदीप कुमार त्रिपाठी को ताजगंज और देवेंद्र कुमार द्विवेदी को सैंया थाने की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, रुनकता चौकी प्रभारी आशीष कुमार त्यागी को खेरागढ़ का थानाध्यक्ष बनाया गया है।

वाराणसी में परिवार पर गिरी दीवार, दो मासूम बहनों की मौत

मलबे में दबे परिवार को एसडीआरएफ ने 7 घंटे बाद निकाला

हादसे में माता-पिता भी घायल



यूनिक समय, वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में दीवार ढहने से बड़ा हादसा हो गया। मलबे में दबने से दो मासूम बहनों की मौत हो गई, जबकि उनके माता-पिता घायल हो गए। हादसे के बाद इलाके में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचे और मलबे में दबे लोगों को निकालने का अभियान शुरू किया। जानकारी के मुताबिक, परिवार के सदस्य दीवार गिरने के दौरान उसकी चपेट में आ गए थे। हादसे में दोनों बच्चियां मलबे के नीचे दब गईं। स्थानीय लोगों ने तत्काल बचाव की कोशिश की और प्रशासन को सूचना दी। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। बचावकर्मियों ने काफी मशक्क त के बाद करीब सात घंटे तक अभियान चलाकर दोनों बहनों के शव मलबे से बाहर निकाले। हादसे में घायल माता-पिता को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है। आसपास के लोग भी इस दर्दनाक हादसे से स्तब्ध हैं। फिलहाल हादसे के कारणों और दीवार गिरने की परिस्थितियों की जानकारी जुटाई जा रही है।

जेल में बंद बीजेपी नेता के घर चोरी, चार असलहे और गहने ले गए चोर

यूनिक समय, प्रयागराज। प्रयागराज में अधिवक्ता सतीश चंद्र श्रीवास्तव हत्याकांड के मुख्य आरोपी भाजपा नेता देवेंद्र नाथ मिश्रा के घर चोरी हो गई। चोर घर से तीन राइफल, एक डबल बैरल बंदूक, सोने-चांदी के गहने और नकदी ले गए। वारदात 8 नवंबर की रात कर्नलगंज इलाके में हुई थी। मंगलवार को पुलिस ने देवेंद्र के भाई रविंद्र नाथ मिश्रा की तहरीर पर एफआईआर दर्ज की। शिकायत में आशीष यादव उर्फ शनि, सूरजभान सिंह और सूरज पासी समेत तीन लोगों के नाम बताए गए हैं। तीन-चार अज्ञात लोगों पर भी चोरी में शामिल होने का शक जताया गया है। शिकायतकर्ता के मुताबिक, घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कुछ संदिग्ध दिखाई दिए हैं। हत्याकांड के आरोपी देवेंद्र और उनका बेटा फिलहाल प्रयागराज जेल में बंद हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नोएडा से ग्रेटर नोएडा वेस्ट तक दौड़ेगी मेट्रो, केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

8.4 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर पर बनेंगे पांच स्टेशन

2,390 करोड़ रुपये होंगे खर्च



यूनिक समय, प्रयागराज। नोएडा से ग्रेटर नोएडा वेस्ट तक मेट्रो से सफर करने का लोगों का वर्षों पुराना इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक्वा लाइन के विस्तार को मंजूरी दे दी। इस परियोजना के तहत नोएडा के सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-4 स्थित किसान चौक तक 8.4 किलोमीटर लंबा मेट्रो कॉरिडोर बनाया जाएगा। इस पर करीब 2,390 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। परियोजना को चार साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। पूरा कॉरिडोर एलिवेटेड होगा और इस पर पांच स्टेशन बनाए जाएंगे। इनमें नोएडा के सेक्टर-61, सेक्टर-70, सेक्टर-122 और सेक्टर-123 के अलावा ग्रेटर नोएडा वेस्ट का सेक्टर-4 स्टेशन शामिल है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने के बाद अब निर्माण के लिए टेंडर जारी करने की प्रक्रिया शुरू होगी। नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) के अधिकारियों के मुताबिक, परियोजना से संबंधित जरूरी एनओसी पहले ही प्राप्त हो चुकी हैं। इस मेट्रो कॉरिडोर से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के करीब आठ लाख लोगों को फायदा मिलने की उम्मीद है। स्थानीय सांसद डॉ. महेश शर्मा और राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर ने परियोजना को मंजूरी मिलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। उनका कहना है कि इससे क्षेत्र में आवागमन के साथ कारोबार, निवेश और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा।

'प्रदूषण हुआ तो खत्म भी हो जाएगा' पटाखों पर सीएम योगी का जवाब

बोले-भ्रष्टाचार से पूरे सिस्टम को प्रदूषित करने वालों पर कोई नहीं बोलता

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिवाली पर पटाखे जलाने से प्रदूषण बढ़ने की आलोचना करने वालों को जवाब दिया है। बुधवार को लखनऊमें आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि दिवाली पर लोगों ने खूब आतिशबाजी की और कुछ लोग प्रदूषण की बात करने लगे। हमने कहा कि प्रदूषण हुआ है तो खत्म भी हो जाएगा, फिर चिंता किस बात की है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने भ्रष्टाचार से पूरे सिस्टम को प्रदूषित किया, उन पर कोई सवाल नहीं उठाता, लेकिन जनता एक दिन पटाखे जला ले तो प्रदूषण की चिंता होने लगती है। सीएम योगी ने कहा कि सरकार ने दिवाली पर आतिशबाजी को लेकर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया था। लोगों ने धूमधाम से त्योहार मनाया और वह खुद भी अयोध्या में आतिशबाजी के दौरान मौजूद थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 2017 से पहले की सरकारों पर भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार और भेदभाव का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पहले परीक्षा कोई देता था और नियुक्ति पत्र किसी दूसरे को मिल जाता था। पुलिस विभाग में डेढ़ लाख पद खाली थे और पिछली सरकार ने पीएसी की 34 कंपनियां समाप्त कर दी थीं। योगी ने दावा किया कि उनकी सरकार में साढ़े नौ साल से प्रदेश में न कर्फ्यू लगा और न दंगे हुए। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए 26 जनवरी तक एक लाख युवाओं को और नियुक्ति पत्र देने की बात दोहराई। साथ ही जमीन की पैमाइश के लिए रोवर तकनीक का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि सरकार ने 445 रोवर मशीनें खरीदी हैं, जिससे जमीन की सटीक पैमाइश कर विवादों का समाधान किया जा सकेगा।

असम में ट्रेन हादसा, 50 यात्री घायल लोको पायलट का वीडियो वायरल





रेड सिग्नल के बावजूद नहीं लगी ट्रेन की ब्रेक

डेड एंड पर लगे बैरिकेड्स से टकराया इंजन और 5 डिब्बे

यूनिक समय, नई दिल्ली। असम के कामरूप जिले में बुधवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा हो गया। यहां कोलकाता–सैरंग एक्सप्रेस का इंजन और पांच डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसा सुबह करीब 6:54 बजे डिगारू स्टेशन पर हुआ। स्थानीय लोगों के मुताबिक, दुर्घटना में करीब 50 यात्री घायल हुए हैं। हालांकि, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने सभी यात्रियों के सुरक्षित होने की जानकारी दी है। हादसे के समय का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें लोको पायलट ट्रेन के ब्रेक काम नहीं करने की बात कहते सुनाई दे रहे हैं। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अनुसार, डिगारू स्टेशन पर ट्रेन को दूसरी लाइन पर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान लोको पायलट ट्रेन की रफ्तार कम नहीं कर सके और ट्रेन रेलवे लाइन के डेड एंड पर लगे बैरिकेड्स से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि इंजन के साथ पांच डिब्बे पटरी से उतर गए। कुछ डिब्बे दूसरे ट्रैक और आसपास की जमीन पर जा टिके। हादसे से पहले का करीब 45 सेकेंड का वीडियो भी सामने आया है। इसमें लोको पायलट केबिन के अंदर कंट्रोल पैनल और डिजिटल डिस्प्ले दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में लोको पायलट कहते सुनाई देते हैं, 'कुछ भी काम नहीं कर रहा है। सिग्नल रेड हैं। इमरजेंसी लगा हुआ है, लेकिन काम नहीं कर रहा। एस–9, ए–9 कुछ भी काम नहीं कर रहा है।' एस–9 और ए–9 ट्रेन के ब्रेक सिस्टम से जुड़े नाम हैं। वीडियो सामने आने के बाद हादसे की वजह को लेकर सवाल उठ रहे हैं। दुर्घटना की सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारी, कर्मचारी और राहत–बचाव दल मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने भी यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि अन्य यात्रियों को सुरक्षित निकालकर उनके आगे के सफर के लिए दूसरी ट्रेन की व्यवस्था की गई। क्षतिग्रस्त डिब्बों को हटाने के लिए मशीनरी भी मौके पर बुलाई गई है। रेलवे की ओर से हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

एअर इंडिया की फ्लाइट को हाईजैक की धमकी, टॉयलेट में मिला नोट

93 यात्री और 5 क्रू मेंबर थे सवार

नोट में लिखा–सुबह 11:10 बजे विमान हाईजैक कर लेंगे



यूनिक समय, नई दिल्ली। एअर इंडिया की कोलकाता–मुंबई फ्लाइट को बुधवार सुबह हाईजैक करने की धमकी मिली। विमान के टॉयलेट में एक धमकी भरा नोट मिला, जिसमें लिखा था कि सुबह 11:10 बजे प्लेन हाईजैक कर लिया जाएगा। नोट मिलते ही क्रू मेंबर्स ने पायलट को सूचना दी। इसके बाद पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को अलर्ट कर दिया। विमान को कोलकाता एयरपोर्ट के आइसोलेशन बे में ले जाया गया, जहां सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू की। एअर इंडिया का एयरबस ए320निओ विमान कोलकाता से मुंबई के लिए उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान क्रू मेंबर को टॉयलेट में यह नोट मिला। विमान में उस समय 93 यात्री और 5 क्रू मेंबर सवार थे। खास बात यह है कि विमान विस्तारा की लिवेरी के साथ ऑपरेट कर रहा था। फिलहाल एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। इससे पहले 7 नवंबर को बेंगलुरु से लखनऊ जा रही इंडिगो फ्लाइट को भी टॉयलेट में मिले नोट के जरिए हाईजैक की धमकी दी गई थी। वहीं, 13 अक्टूबर को फ्रैंकफर्ट–दिल्ली एअर इंडिया फ्लाइट को हाईजैक अलर्ट मिलने के बाद जयपुर में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी थी।

शेयर बाजार में तूफानी तेजी सेंसेक्स 772 अंक उछला

निफ्टी भी 210 अंक चढ़कर 25,255 पर बंद

निवेशकों की दौलत पांच लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में बुधवार, 11 नवंबर को जोरदार तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 772 अंक यानी करीब 0.95% चढ़कर 81,879 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में 210 अंकों की बढ़त रही और यह 25,255 के स्तर पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 1,400 अंक और निफ्टी में करीब 400 अंकों तक की तेजी आई। इस उछाल से निवेशकों की दौलत 5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ गई। बैंकिंग और ऑटो सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी देखने को मिली। इस तेजी के पीछे कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और विदेशी निवेशकों की खरीदारी को बड़ी वजह माना जा रहा है। अमेरिका की ओर से ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई नहीं करने के संकेत मिलने से मिडिल ईस्ट में तेल सप्लाई प्रभावित होने की आशंका कम हुई। इसके बाद ब्रेंट क्रूड की कीमत घटकर 89.16 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई। भारत अपनी जरूरत का 80% से ज्यादा कच्चा तेल आयात करता है, इसलिए कीमतों में गिरावट से अर्थव्यवस्था को फायदा मिल सकता है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने पिछले 30 दिनों में भारतीय बाजार में 49,497 करोड़ रुपए की शुद्ध खरीदारी की है। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने इसी अवधि में 13,250 करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की। इससे पहले सेंसेक्स 1 अक्टूबर को 71,292 के सालाना निचले स्तर पर पहुंच गया था। वहां से बाजार में करीब 15% की रिकवरी दर्ज की गई है।

ईरान ने दिखाई नई अंडरग्राउंड मिसाइल सिटी, वीडियो जारी

बैलिस्टिक–क्रूज मिसाइलों के साथ लॉन्चर भी मौजूद

जंग शुरू होने के बाद तीसरी बार दिखाई सैन्य ताकत

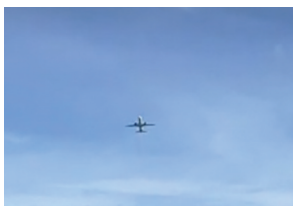


यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अपनी नई अंडरग्राउंड मिसाइल सिटी का वीडियो जारी किया है। इसमें बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ उन्हें लॉन्च करने वाले सिस्टम भी दिखाई दे रहे हैं। मंगलवार को आईआरजीसी से जुड़ी न्यूज एजेंसी तस्नीम ने इसकी तस्वीरें साझा कीं। हालांकि, इस ठिकाने की लोकेशन और यहां मौजूद मिसाइलों की संख्या का खुलासा नहीं किया गया है। जंग शुरू होने के बाद यह तीसरी बार है, जब ईरान ने अपने भूमिगत मिसाइल ठिकानों का वीडियो जारी किया है। मिसाइल सिटी के उद्घाटन कार्यक्रम में ईरान के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल अली अब्दुल्लाही और आईआरजीसी कमांडर ब्रिगेडियर जनरल माजिद मौसवी शामिल हुए। मौसवी ने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ने पर ईरान अपने दुश्मनों के ठिकानों पर क्षेत्रीय सीमाओं से बाहर भी हमला कर सकता है। ईरान का कहना है कि उसने मिसाइल और ड्रोन बनाने वाली फैक्ट्रियों को जमीन के नीचे शिफ्ट किया है, ताकि हवाई हमलों के बावजूद हथियारों का उत्पादन जारी रखा जा सके। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान में करीब 30 भूमिगत मिसाइल ठिकाने हैं। हालांकि, अमेरिकी और इजराइली हमलों के बाद उसके पास कितनी मिसाइलें बची हैं, इसका सटीक आंकड़ा सामने नहीं आया है।

पाकिस्तान ने अमेरिकी डिपोर्टेशन विमान को उतरने से रोका

नौ ईरानी नागरिकों को लेकर जा रहा था विमान

अनुमति नहीं मिलने पर 30 मिनट बाद अमेरिका लौटा



यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान ने मंगलवार को अमेरिका के एक डिपोर्टेशन विमान को अपने यहां उतरने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। विमान में कम से कम नौ ईरानी नागरिक सवार थे, जिन्हें पाकिस्तान के रास्ते ईरान भेजा जाना था। अनुमति नहीं मिलने के बाद विमान को बीच रास्ते से ही अमेरिका लौटना पड़ा। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, सभी ईरानी नागरिकों को वापस एरिजोना के इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर भेज दिया गया। मानवाधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स फर्स्ट के अनुसार, अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट (आईसीई) का निजी विमान मंगलवार सुबह करीब 5 बजे एरिजोना के मेसा शहर से रवाना हुआ था। हालांकि, उड़ान भरने के करीब 30 मिनट बाद ही यह वापस लौट आया। ट्रम्प प्रशासन ईरान और अफगानिस्तान के नागरिकों को उनके देश भेजने के लिए पाकिस्तान का रास्ता इस्तेमाल करने की तैयारी कर रहा है। सीधे वापसी संभव नहीं होने के कारण यह योजना बनाई गई थी। इस बीच मानवाधिकार संगठनों ने चिंता जताई है कि ईरान लौटने पर कुछ लोगों को उत्पीड़न का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने कहा कि विमान में सवार कुछ लोगों का आपराधिक रिकॉर्ड था और उनके खिलाफ देश से निष्कासन के अंतिम आदेश जारी हो चुके थे।

जम्मू–कश्मीर में सीआरपीएफ कैंप पर हमला, तीन जवान घायल

बाइक सवार हमलावरों ने नाका डयूटी के दौरान की फायरिंग

वारदात के बाद फरार 2024 से अब तक घाटी में 548 आतंकी घटनाएं



यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार दोपहर बाइक सवार अज्ञात हमलावरों ने सीआरपीएफ कैंप पर हमला कर दिया। अखरान कैंप के पास नाका डयूटी पर तैनात जवानों को निशाना बनाकर की गई फायरिंग में तीन जवान घायल हो गए। घटना दोपहर करीब 2:15 बजे की है। गोलीबारी के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। घायल जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमले के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया है। घायल जवानों की पहचान हेड कॉन्स्टेबल सोमवीर और कॉन्स्टेबल संतानो तथा राकेश दास के रूप में हुई है। तीनों सीआरपीएफ की 46वीं बटालियन में तैनात हैं। जानकारी के मुताबिक, एक जवान के पैर, दूसरे के हाथ और तीसरे की पीठ में गोली लगी है। घायलों को पहले अनंतनाग के सरकारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। इनमें से एक जवान को बेहतर इलाज के लिए श्रीनगर रेफर किया गया है। सीआरपीएफ के आईजी ने भी अनंतनाग पहुंचकर घायल जवानों का हाल जाना और अधिकारियों से घटना की जानकारी ली। हमले के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। सुरक्षाबल आसपास के रास्तों पर वाहनों की जांच कर रहे हैं और हमलावरों की तलाश में अभियान चला रहे हैं। कुलगाम दक्षिण कश्मीर का संवेदनशील जिला है। यह श्रीनगर से करीब 70–75 किलोमीटर दूर स्थित है। कुलगाम के साथ अनंतनाग और शोपियां के इलाकों में पहले भी आतंकी गतिविधियां सामने आती रही हैं। आंकड़ों के मुताबिक, जम्मू–कश्मीर में 2024 से अब तक 548 आतंकी घटनाएं हो चुकी हैं। इनमें 45 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए हैं, जबकि 138 आतंकियों को मार गिराया गया है। इससे पहले पुलिस ने श्रीनगर में आतंकियों की मदद करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया था। इन पर महिलाओं को निशाना बनाने और अलगाववादी विचारधारा के प्रचार से जुड़े आतंकी मॉड्यूल की मदद करने का आरोप है। फिलहाल कुलगाम हमले के पीछे शामिल लोगों की पहचान और उनके नेटवर्क का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

बांग्लादेश के 21 जिलों में हिंसा, 22 वाहन फूंके

शेख हसीना की वापसी के ऐलान से भड़की आगजनी

ट्रेन का कोच भी जलाया, बस में सो रहे ड्राइवर की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वापसी के ऐलान के बाद हिंसा भड़क गई है। सोमवार रात से मंगलवार शाम तक देश के कम से कम 21 जिलों में आगजनी और बम धमाकों की घटनाएं सामने आईं। पुलिस के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 11 जिलों में 22 वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया, जबकि ढाका समेत सात जिलों में 28 जगह देसी बम धमाके हुए। बसों के अलावा ट्रेन के एक कोच को भी निशाना बनाया गया। फरीदपुर शहर में सोमवार देर रात बस टर्मिनल पर खड़ी एक बस में आग लगा दी गई। घटना के समय ड्राइवर मोहम्मद कलाचन बस के अंदर सो रहे थे। वह किसी तरह बाहर निकले, लेकिन धुआं सांस में जाने से उनकी हालत बिगड़ गई। अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। चट्टोग्राम, बरगुना, किशोरगंज और ढाका के आसपास भी कई वाहनों को आग के हवाले किया गया। गोपालगंज के टुंगीपाड़ा में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। इसमें कम से कम 10 लोग घायल हुए, जबकि पुलिसकर्मियों को भी चोटें आईं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की गाड़ी में तोड़फोड़ कर आग लगा दी। पुलिस ने हिंसा के पीछे शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के समर्थकों का हाथ होने का शक जताया है। हालांकि, पार्टी ने आरोपों को खारिज करते हुए विरोधी गुटों पर बदनाम करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। गौरतलब है कि अगस्त 2024 में सत्ता छोड़ने के बाद शेख हसीना भारत आ गई थीं और तब से यहीं रह रही हैं।

बांके बिहारी मंदिर के पास बंद मकान में लगी आग, दमकल नदारद

एक घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस और स्थानीय लोगों ने पाया काबू

पटाखे की चिंगारी से आग लगने की आशंका

यूनिक समय, वृंदावन। बांके बिहारी मंदिर के पास बुधवार दोपहर एक बंद मकान में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। मकान से उठती काली धुएं की लपटें करीब 500 मीटर दूर तक दिखाई दीं। पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हैरानी की बात यह रही कि सूचना के बावजूद दमकल टीम मौके पर नहीं पहुंची।


आग को पानी डालकर शांत करता पुलिसकर्मी अनिकेत, साथ हैं चौकी प्रभारी शिव कुमार शर्मा।

जानकारी के अनुसार, मंदिर के वीआईपी मार्ग पर अकोला वाली धर्मशाला के समीप स्थित पुराने बंद मकान में बुधवार दोपहर अचानक धुआं उठने लगा। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। आशंका जताई जा रही है कि पटाखे की चिंगारी वहां रखे थर्माकोल पर गिरने से आग लगी। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंचे बांके बिहारी पुलिस चौकी के एसआई शिव कुमार शर्मा और सिपाही अनिकेत ने स्थानीय लोगों के साथ आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। पुलिसकर्मियों ने दमकल विभाग को भी सूचना दी, लेकिन आरोप है कि करीब एक घंटे तक दमकल टीम मौके पर नहीं पहुंची।

घनी आबादी और संकरी गलियों के बीच लगी आग से बड़े हादसे का खतरा बना रहा। गनीमत रही कि घटना के समय मंदिर के पट बंद थे और श्रद्धालुओं की भीड़ भी खत्म हो चुकी थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ के दौरान यह घटना होती तो हालात गंभीर हो सकते थे।


स्व. श्री बालमुकुंद अग्रवाल

उठावनी

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूज्यनीय पिताजी श्री बालमुकुंद अग्रवाल का गोलोकवास दिनांक 11.11.2026 को हो गया है। उठावनी (आज) दिनांक 12.11.2026 गुरूवार को महिलाओं एवं पुरुषों की सायं 3 से 4 बजे तक नेशनल चैम्बर, सरस्वती कुण्ड, मथुरा में होगी।

शोकाकुलः- अंकित अग्रवाल (पुत्र) शकुंतला अग्रवाल (पत्नी) बांकेलाल अग्रवाल, कुंजीलाल अग्रवाल (चाचा) नैना-दिलीप, प्रियंका-सुमित (पुत्री एवं दामाद) नमन, तनिष्क, खुशी (धेवते एवं धेवती)
ससुराल पक्ष : किरोड़ीमल गिर्राज प्रसाद, अलवर

प्रतिष्ठान : गोपीनाथ बालमुकुंद बजाज, चौक बाजार, मथुरा मो: 7310816763

पांच दिवसीय दीपोत्सव में बृजवासी सेवा समिति ने मनाए सभी पर्व


दीपोत्सव कार्यक्रम में मौजूद बृजवासी सेवा समिति की सदस्याएं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम और आतिशबाजी ने बांधा समां

यूनिक समय, मथुरा। बृजवासी सेवा समिति ने अपने सदस्य परिवारों के साथ पांच दिवसीय दीपोत्सव धूमधाम से मनाया। स्थानीय होटल में आयोजित कार्यक्रम में धनतेरस से भाई दूज तक के पर्वों को कटआउट, गीत-संगीत, पूजा–अर्चना और आतिशबाजी के माध्यम से जीवंत किया गया। शुभारंभ संस्थापक शशिभानु विशाखा गर्ग, अध्यक्ष मुकेश पिंकी अग्रवाल और मंत्री अनूप मोनिका अग्रवाल ने महालक्ष्मी के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सदस्यों ने धनतेरस पर सांकेतिक खरीदारी, नरक चतुर्दशी पर दीप प्रज्ज्वलन, दीपावली पर लक्ष्मी-गणेश पूजन और गोवर्धन पूजा पर दुग्धाभिषेक कर परिक्रमा की। भाई दूज के महत्व की जानकारी भी दी गई। देर रात तक आतिशबाजी और पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लिया गया। संस्थापक शशिभानु गर्ग ने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का माध्यम हैं। कार्यक्रम में विनोद रीना अग्रवाल, सुनील कल्पना सूतिया, आशीष ममता गर्ग, संदीप पारुल ठेकेदार, मुकेश मोना अग्रवाल, पंकज कविता अग्रवाल, पराग अंजली गुप्ता, सचिन रति चौधरी, मनोज लता अग्रवाल, रितेश शालिनी टेंट, मनोज मीनू नमक, गिरधारी लक्ष्मी अग्रवाल, मोहन काजल अग्रवाल, पंकज रेनू गर्ग, मनोज जया भार्गव, मनोज मनीषा गोयल, दीपक सिमी मित्तल, दीपक मोहिनी सूतिया, पंकज पूनम गर्ग, मंतोष रचना अग्रवाल, मुकेश डॉ. कुसुम लता अग्रवाल, रमन बिनू अग्रवाल, समीक्ष भक्ति अग्रवाल, सुनील नीता अग्रवाल, सुधीर रश्मि वर्मा, संजय सजनी, राजेंद्र उर्वशी अग्रवाल और उमेश सुनीता मित्तल सहित बड़ी संख्या में सदस्य परिवार मौजूद रहे।

महंगा हुआ दौज का गोला जमकर खरीदे पान


फरह कस्बा के चौराहे पर लगी स्टाल से पान खरीदती महिला।

भाई के स्वागत में बहनों ने की खरीदारी

बाजारों में सुबह से रही भीड़

यूनिक समय, मथुरा। भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का पर्व भाई दौज बुधवार को उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। भाइयों के माथे पर तिलक सजाने के साथ उनके मुंह मीठा कराने की परंपरा निभाने के लिए बहनों ने जमकर खरीदारी की। हालांकि इस बार दौज पर गोला खरीदने के लिए बहनों को अपनी जेब कुछ ज्यादा ढीली करनी पड़ी। त्योहार से पहले ही गोले के दामों में करीब 100 रुपये प्रति किलो तक की बढ़ोतरी हो गई।

एक माह पहले तक 350 से 400 रुपये किलो बिकने वाला गोला भाई दौज पर 450 से 500 रुपये किलो तक पहुंच गया। इसके बावजूद बहनों ने परंपरा निभाने के लिए गोले की खरीदारी की।

वहीं भाइयों को खिलाने के लिए पान की दुकानों पर भी खूब भीड़ उमड़ी। बहनों ने गोले के साथ पान खरीदकर भाइयों के स्वागत की तैयारी की। शहर और कस्बों के बाजारों में सुबह से ही गोला और पान की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बनी रही। दुकानदारों को भी पर्व पर अच्छी बिक्री की उम्मीद रही।

घरों में बहनों ने भाइयों का तिलक कर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार और स्नेह देकर इस पावन रिश्ते की मिठास को और बढ़ाया। महंगाई के बावजूद पर्व के उल्लास में कोई कमी नजर नहीं आई।

भाई दौज पर खूब बिकी मिठाई, दुकानों पर उमड़ी भीड़


बुधवार को फरह करबा के मुख्य बाजार में दुकान से मिठाई खरीदने को खड़े लोग।

त्योहार की खरीदारी में ग्राहकों की जेब कटी

यूनिक समय, मथुरा। भाई-बहन के प्रेम का पर्व भाई दौज बुधवार को उल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। भाइयों का तिलक करने के बाद मुंह मीठा कराने के लिए बहनों ने बाजारों का रुख किया। सुबह से ही मिठाई की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ उमड़ पड़ी। किसी ने बर्फी खरीदी तो किसी ने पेड़ा, लड्डू और अन्य मिठाइयों से भाइयों का मुंह मीठा कराने की तैयारी की। त्योहार की रौनक के बीच मिठाई विक्रेताओं ने ग्राहकों की जेब पर भी भार डाला। मिठाई के साथ डिब्बे का वजन भी उसी कीमत पर तौल दिया गया। यानी मिठाई के भाव में ग्राहकों को डिब्बे का वजन भी खरीदना पड़ा। त्योहार की जल्दबाजी और खुशियों के बीच अधिकांश ग्राहकों का इस ओर ध्यान तक नहीं गया। भाई दौज पर सुबह से दोपहर तक मिठाई की दुकानों पर खूब चहल-पहल रही। बहनें भाइयों की पसंद की मिठाइयां खरीदती नजर आईं। पर्व के उल्लास में मिठाई की खूब बिक्री हुई, लेकिन डिब्बे के वजन के नाम पर ग्राहकों की जेब पर पड़ने वाली अतिरिक्त मार भी चर्चा का विषय रही।

श्री राधा वैली में श्रद्धा और उल्लास से हुई गोवर्धन पूजा


गिरिराज जी की सामूहिक पूजा-अर्चना करते लोग।

यूनिक समय, मथुरा। श्री राधा वैली के सेक्टर-5 और 6 स्थित गोवर्धन पार्क के होलिका चौक के समीप सामूहिक गोवर्धन पूजा श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। सोसाइटी वासियों ने भगवान श्रीकृष्ण और गिरिराज जी की पूजा-अर्चना कर परिवार और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। आयोजन में महिला, पुरुष, बुजुर्गों के साथ बच्चों ने भी उत्साह से भाग लिया। बच्चों को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और पर्व के महत्व से परिचित कराया गया। सामूहिक आयोजन में आपसी सहयोग और सामाजिक एकता की झलक दिखाई दी। इस अवसर पर ठा. आरके सिंह यदुवंशी, सुष्मिता सिंह, किशन चतुर्वेदी, पं. गोपाल वल्लभ आचार्य, मनोज गुप्ता, शैलेन्द्र सिंह, प्राची सिंह, सूबेदार सतीश फौजदार, पीके कुलश्रेष्ठ, तुषार फौजदार, टीना गुप्ता, मनोज कुमार, योगेश सिसोदिया, सोनाली सिंह, यक्षित, विधि, विधान, अक्कू, दर्श, जतिन, वैष्णवी, केके सक्सेना, आशुतोष पाठक और कल्लू खंडेलवाल सहित अनेक निवासी मौजूद रहे।

हाईवे पर दो हादसे, ट्रक चालक और बाइक सवार महिला की मौत

यूनिक समय, मथुरा। दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग–19 पर अलग-अलग स्थानों पर हुए दो सड़क हादसों में ट्रक चालक और बाइक सवार महिला की मौत हो गई।

पहली घटना में खाना खाने जा रहा ट्रक चालक दो ट्रकों के बीच कुचल गया, जबकि दूसरी घटना में तेज रफ्तार ट्रोला की टक्कर से बाइक सवार महिला की जान चली गई। जानकारी के अनुसार, नौगांव निवासी ट्रक चालक जितेंद्र ने बीती रात हाईवे किनारे एक ढाबे के समीप अपना ट्रक खड़ा किया था। वह खाना खाने के लिए ट्रक से उतरकर उसके आगे से निकल रहा था। इसी दौरान पीछे से आए एक अन्य ट्रक ने उसके ट्रक में टक्कर मार दी। इससे जितेंद्र दोनों ट्रकों के बीच दबकर गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दूसरा हादसा थाना जैंत क्षेत्र में हाईटेक हॉस्पिटल के सामने हुआ। बलदेव थाना क्षेत्र के हथकौली गांव निवासी पुष्पेंद्र की पत्नी मिथलेश रिश्तेदार के साथ बाइक पर जा रही थीं। इसी दौरान तेज गति से आए ट्रोला ने बाइक में टक्कर मार दी। मिथलेश ट्रोला के पहिए के नीचे आकर कुचल गईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

यम द्वितीया पर खोया-पाया शिविर से बिछड़ों को अपनों से मिलाया


स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को स्टीमर से गश्त करते तीर्थ पुरोहित महासंघ के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। यम द्वितीया पर्व पर लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासंघ ने श्याम घाट पर खोया-पाया शिविर लगाकर सेवा की मिसाल पेश की। शिविर के माध्यम से बिछड़े हुए परिजनों को मिलाने के साथ श्रद्धालुओं को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई गई। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. प्रयागनाथ चतुर्वेदी और कपिलानंद चतुर्वेदी के निर्देशन में आयोजित शिविर में कार्यकर्ताओं ने सक्रियता से जिम्मेदारी निभाई। यम द्वितीया पर लाखों श्रद्धालुओं ने यमुना में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। भीड़ के बीच श्रद्धालुओं की सहायता और बिछड़े लोगों को उनके परिजनों तक पहुंचाने में कार्यकर्ताओं ने अहम भूमिका निभाई। शिविर संचालन में भागवताचार्य लालजी भाई शास्त्री, अजय चतुर्वेदी, मुरारीलाल उपाध्याय, ब्रजेश, जग्गो, खालीपा, अनिल चतुर्वेदी, प्रदीप सेठ, विजय अथैया, संतोष, भोले भैया, लालू, अभय, मृदुल अग्रवाल, विजय चतुर्वेदी, विवेक, संदीप एवं पंकज सहित अनेक कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा। समापन पर महासंघ के महामंत्री पं. यज्ञदत्त चतुर्वेदी और भूपेंद्र चतुर्वेदी गप्पी ने सहयोगियों का आभार जताया।

गैस सिलेंडर में आग लगने से युवक झुलसा

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र के टैगोर गार्डन में घर पर भल्ले बनाते समय गैस सिलेंडर के पाइप में आग लग गई। आग बुझाने के प्रयास में भल्ले बनाने वाला युवक बंटी उर्फ लवकुश का हाथ बुरी तरह झुलस गया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, टैगोर गार्डन निवासी बंटी उर्फ लवकुश घर पर भल्ले बना रहा था। इसी दौरान अचानक गैस सिलेंडर के पाइप में आग लग गई। उसने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन इस दौरान उसका हाथ झुलस गया। कुछ ही देर में आग ने आसपास रखे सामान को भी चपेट में ले लिया। घटना से इलाके में अफरा–तफरी मच गई। सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दरोगा चंद्रवीर सिंह ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने आग बुझाकर स्थिति पर काबू पाया। पुलिस ने घायल युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया।